दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 181

ग्वालियर, मंगलवार, 22 मार्च, 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

राजनाथ सिंह करेंगे सीएम के नाम का एलानधामी समेत रेस में हैं ये बड़े नाम

नई दिल्ली। उत्तराखंड विधानसभा चुनावों में बीजेपी के प्रचंड बहुमत के बाद सरकार बनाने की कवायद तेज हो गई है। उत्तराखंड में आज यानी सोमवार शाम तक विधायक दल के नेता को लेकर पिछले कई दिनों से चल रहा सस्पेंस खत्म हो जाएगा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह सीएम के चेहरे का एलान करेंगे। सूत्रों के मुताबिक उत्तराखंड की राजनीति में कार्यवाहक सीएम पुष्कर सिंह धामी समेत कई बड़े नेता सीएम पद की रेस में है। गौरतलब है कि उत्तराखंड पार्टी इकाई ने उत्तराखंड के सभी सांसदों को देहरादून में होने वाली विधायक दल की बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।आपको बता दें कि रविवार को उत्तराखंड के बीजेपी अध्यक्ष मदन कौशिक ने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा था कि विधायक दल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री के चेहरे का एलान कर दिया जाएगा। रविवार को ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के घर उत्तराखंड में सरकार बनाने को को लेकर महत्वपूर्ण बैठक भी हुई थी। इस बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महासचिव बीएल संतोष भी मौजूद थे। करीब 1 घंटे तक चली इस बैठक में उत्तराखंड के कार्यवाह मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, पूर्व

मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, त्रिवेंद्र सिंह रावत और बीजेपी विधायक सतपाल महाराज भी मौजूद थे। इस बैठक में उत्तराखंड में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर चर्चा भी हुई। बैठक से पहले धामी ने कहा कि सरकार गठन की प्रक्रिया चल रही है। मुख्यमंत्री के नाम पर बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व फैसला लेगा। गृहमंत्री अमित शाह के यहां से निकलकर उत्तराखंड बीजेपी के नेता पूर्व मुख्यमंत्री निशंक के घर पर जुटे। बैठक से निकल कर मुख्यमंत्री के चेहरे के सवाल पर धामी ने कहा, मीटिंग में सबसे चर्चा हुई है। हमारी प्रचंड बहुमत की जीत प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हुई है। जो भी आलाकमान फैसला लेगा उससे सभी सहमत होंगे।÷ निशंक के घर पर रविवार को करीब आधे घंटे चली बैठक के बाद निकले उत्तराखंड बीजेपी अध्यक्ष मदन कौशिक ने कहा था कि सोमवार को देहरादून में शाम 5 बजे विधायक दल की बैठक होगी जिसके बाद मुख्यमंत्री के चेहरे का एलान होगा। जबकि इससे पहले सुबह 11 बजे प्रोटेम स्पीकर बंसीधर गौरतलब है कि उत्तराखंड पार्टी इकाई ने उत्तराखंड के सभी सांसदों को देहरादून में होने वाली विधायक दल की बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।आपको बता दें कि कल यानी रविवार को उत्तराखंड के बीजेपी अध्यक्ष मदन कौशिक ने मीडिया से मुखातिब होते हुए कहा था कि विधायक दल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री के चेहरे का एलान कर दिया जाएगा।

सुरक्षा बलों को कार्रवाई की पूरी छूट, आतंकी फंडिंग के सभी नेटवर्क तुरंत ध्वस्त करो : अमित शाह

नई दिल्ली। दो दिनों के दौरे पर जम्मू कश्मीर आए गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद के लिए फंड जुटाने वाले कश्मीरी कारोबारियों, अलगाववादियों, पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं पर सुरक्षाबलों को कार्रवाई की खुली छूट देते हुए उनकी गतिविधियों पर अंकुश लगाने को कहा है। शाह ने कहा सुरक्षा बल जल्द से जल्द आतंकी फंडिंग के सभी नेटवर्कों को ध्वस्त करें। घाटी में बड़ी संख्या में कारोबारियों और स्थानीय लोगों का नेटवर्क है, तो विभिन्न तरीके से आतंकियों की सहायता करता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी भी कई लोग जेल में बंद अलगाववादी नेता मसरत आलम, यासीन मलिक, शब्बीर शाह, बिट्टा कराटे जैसे लोगों के संपर्क में हैं। जो इनके इशारे पर देश-विदेश में बैठकर आतंकी गतिविधियों के लिए फंड जुटा रहे हैं। एनआईए और तमाम खुफिया एजेंसियों के पास कुछ लोगों के नामों की सूची भी है। जो रडार पर हैं। जल्द ही इनके ऊपर कार्रवाई की जा सकती है।

अविश्वास प्रस्ताव से पहले रैलियां कर जनसमर्थन जुटाने में लगे पाक पीएम इमरान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की कुर्सी पर संकट मंडराया तो उन्हें हिंदुस्तान की याद आई है। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा और मतदान से पहले इमरान खान इन दिनों रैलियां कर जनसमर्थन जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। रैलियों में वह भारत की खुलकर तारीफ कर रहे हैं। रविवार को ऐसी ही एक रैली में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की सराहना करते हुए कहा कि इंडिया ने यूक्रेन पर हमले की वजह से रूस पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद मॉस्को से कच्चे तेल का आयात किया। भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के कड़े आलोचक रहे इमरान ने भारतीय विदेश नीति की खुलकर सराहना की। खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में एक रैली को संबोधित करते हुए इमरान ने कहा वह पड़ोसी देश भारत की सराहना करेंगे, क्योंकि उसके पास अपनी एक स्वतंत्र विदेश नीति रही है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत क्वाड समूह का हिस्सा है और उसने अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद रूस से कच्चे तेल आयात किया। बता दें कि भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया क्वाड समूह के सदस्य देश हैं।

132 लोगों को लेकर जा रहा चीनी गुआंग्शी इलाके में हुआ क्रैश

बीजिंग। चीन के गुआंग्शी इलाके में 132 लोगों को लेकर जा रहा विमान सोमवार को क्रैश हो गया। चीनी मीडिया रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बोइंग 737 विमान में 130 से ज्यादा लोग सवार थे, यहां गुआंग्शी इलाके के वुझोउ शहर के बाहरी हिस्से में गिरा। कहा जा रहा है, हादसे के चलते पहाड़ पर आग लग गई। फिलहाल अथॉरिटीज ने बचाव दल को मौके पर भेजकर राहत कार्य तेजी से किया जा रहा है, लेकिन अभी हादसे की वजह सामने नहीं आ सकी है। विमान हादसे का कारण जानने के लिए ब्लैक बॉक्स की बरामदगी जरूरी है, जिसके तेजी से तलाश की जा रही है।

हादसे का शिकार हुआ विमान 6 साल पुराना था। यह घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर 1÷11 पर हुई थी। विमान उस वक्त हादसे का शिकार हुआ, जब वह 3,225 फुट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। विमान की दोपहर 3 बजकर 5 मिनट पर लैंडिंग होनी थी। चीनी एयरलाइन इंडस्ट्री की सेफ्टी के रिकॉर्ड के मामले में दुनिया के टॉप देशों में शुमार किया जाता है। एविएशन सेफ्टी नेटवर्क के मुताबिक चीन में आखिरी बार भीषण हवाई हादसा 2010 में हुआ था, जब एम्ब्रेयर ई-190 जेट क्रैश हो गया था। इस हादसे में कुल 44

लोग मारे गए थे, जबकि विमान में 96 लोग सवार थे। विमान में कुल 123 यात्री सवार थे,जबकि 9 लोग क्रू मेंबर थे। रिपोर्ट में कहा गया है, %चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस का बोइंग 737 एयरक्राफ्ट तेंगशियांग काउंटी में क्रैश हुआ है, जो वुझोउ शहर के पास स्थित है। इस हादसे के चलते पहाड़ पर आग लग गई। यह विमान 2015 में आया था। इस विमान में कुल 162 सीटें होती हैं, लेकिन सवारियां थोड़ी कम थीं। इसमें 12 बिजनेस क्लास की सीटें थीं, जबकि इकॉनमी क्लास के लिए 150 सीटें इसमें हैं। अभी मरने वालों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर लड़ेगी 'आप'

नई दिल्ली। पंजाब में सरकार बनाने वाली आम आदमी पार्टी अब हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव पर नजर गड़ाए हुए हैं। इस सूबे में अब तक कांग्रेस और भाजपा ही मुख्य दल रहे हैं, लेकिन आम आदमी पार्टी की कोशिश इस राज्य में तीसरे दल के तौर पर उभरने की है। इसी कड़ी में आम आदमी पार्टी ने हिमाचल प्रदेश की सभी 68 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की तैयारी शुरू कर दी है। आम आदमी पार्टी के सीनियर नेता और दिल्ली के हेल्थ मिनिस्टर सत्येंद्र जैन ने पिछले दिनों इसका ऐलान किया था। इसी कड़ी में अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान साथ मिलकर मंडी में 6 अप्रैल को रोड शो के लिए आने वाले हैं। इस कार्यक्रम को आम आदमी पार्टी की ओर से विधानसभा चुनाव के अभियान की औपचारिक शुरुआत माना जा रहा है। आने वाले दिनों में राज्य के कई नेता आम आदमी पार्टी का हिस्सा बन सकते हैं। भाजपा में शामिल रहे नरेश वरमानी पहले ही आप में आ चुके हैं। इसके अलावा कई और नेता आने वाले कुछ महीनों में केजरीवाल की पार्टी का रुख करने की तैयारी में हैं। फिलहाल आम आदमी पार्टी की एक केंद्रीय टीम हिमाचल के दौरे पर है। खासतौर पर ऊना और कांगड़ा जिलों पर फिलहाल फोकस किया जा रहा है, जो पंजाब से सटे हुए हैं। कांगड़ा में सबसे ज्यादा 15 विधानसभा सीटें हैं। हिमाचल प्रदेश के अलावा गुजरात में भी आम आदमी पार्टी काफी सक्रिय है। इसकी वजह यह है कि दोनों ही राज्यों में कांग्रेस और भाजपा ही मुख्य दल हैं। ऐसे में कमजोर होती कांग्रेस की जगह लेने पर नजर रख रही आम आदमी पार्टी ऐसी जगहों पर अपने लिए संभावना देखती है। बता दें कि हिमाचल में लंबे समय से तीसरे मोर्चे की कमी रही है।

AAM AADMI PARTY

भाजपा सांसद ने गडकरी को बताया 'स्पाइडरमैन'

विपक्ष बोला, सड़क हादसों पर ध्यान देने की जरूरत

नई दिल्ली। लोकसभा में 'वर्ष 2022-23 के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के लिए नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगों' पर गत बुधवार को आरंभ हुई चर्चा को आगे बढ़ाते कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने सड़क सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने और दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में ठोस कदम उठाने की मांग की। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के सांसद तापिर गाव ने सड़क निर्माण के लिए सरकार की सराहना करते हुए सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को देश में सड़कों का जाल बिछाने वाले 'स्पाइडरमैन' बताया। वाईएसआर कांगेस पार्टी के एम भारत ने कहा कि आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम में अमरावती और हैदराबाद के बीच सड़क संपर्क को बढ़ाने पर जोर दिया गया है। ऐसे में सरकार को बताना चाहिए कि इसमें क्या प्रगति हुई है। कांग्रेस के एमके विष्णु प्रसाद ने कहा कि पूर्व की कांग्रेस सरकारों ने सड़क निर्माण में जो काम किया था, उस कारण आज सड़कों के मामले में भारत दुनिया में नंबर दो पर है। उन्होंने कहा कि सड़कों की गुणवत्ता में जर्मनी नंबर एक है, लेकिन भारत का 44वां स्थान है। सरकार सड़कों की गुणवत्ता पर पूरा ध्यान नहीं दे रही है। प्रसाद ने कहा, 'सड़क सुरक्षा पर आवंटित बजट का करीब दो प्रतिशत ही खर्च हो रहा है, जबकि अमेरिका में बजट का छह फीसदी खर्च होता है।' उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि सड़क सुरक्षा पर उसे गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा के तापिर गाव ने कहा, मैंने नितिन गडकरी का नाम 'स्पाइडरमैन' रख दिया है क्योंकि जैसे मकड़ा जाल बिछा देता है उसी तरह उन्होंने सड़कों का जाल बिछा दिया है।

सिंधिया ने रास को बताया- दिल्ली एयरपोर्ट की क्षमता मौजूदा 7 करोड़ यात्री से बढ़ाकर 10 करोड़ की जाएगी

नई दिल्ली। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को संसद में बताया कि छोटे और बड़े शहरों को हवाई मार्ग से जोड़ने की सरकार की मंशा स्पष्ट करते हुए हुए कि देश के कई प्रमुख हवाई अड्डों का विस्तार किया जा रहा है और इसके तहत नयी दिल्ली हवाई अड्डे की क्षमता मौजूदा सात करोड़ यात्रियों से बढ़ाकर 10 करोड़ यात्री की जाएगी। सिंधिया ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार की इच्छा छोटे शहरों को बड़े नगरों के हवाई अड्डों से जोड़ने की है। लेकिन इसमें एक दिक्कत यह भी है कि बड़े शहरों के हवाई अड्डों की क्षमता का पूर्ण उपयोग हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसके मद्देनजर कई बड़े शहरों के हवाई अड्डों का विस्तार किया जा रहा है।

राज्यसभा सांसद बनकर देश में खेलों को बढ़ावा देने का काम करूंगा : हरभजन

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के पांच उम्मीदवारों ने पंजाब से राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल कर दिया है। इसमें पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, पंजाब के सह प्रभारी राघव चड्ढा, डॉक्टर संदीप पाठक, संजीव अरोरा और अशोक मित्तल का नाम शामिल है। खास बात है कि नामांकन की समय सीमा 3 बजे तक हैं, खबर है कि अब तक किसी और उम्मीदवार ने नामांकन जमा नहीं किया है।

आप की तरफ से राज्यसभा के लिए नामित हरभजन ने भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें एक जिम्मेदारी दी गई हैं, वे इस पूरा करने वाले है। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा वे खेलों को बढ़ावा दूंगा। सिंह ने क्रिकेट करियर की शुरुआत साल 1998 से की थी। वहीं, उन्होंने अपना अंतिम मैच 2016 में खेला। हालांकि,

क्रिकेट से आधिकारिक संन्यास की घोषणा उन्होंने 2021 में की थी।

वहीं, आप के पंजाब मामलों के सह प्रभारी चड्ढा दिल्ली के राजेंद्र नगर से विधायक हैं। जबकि, पाठक पार्टी के चुनावी रणनीतिकार हैं और उन्हें पंजाब में आप के अभियान को आकार दिया। पाठक पंजाब में करीब 3 सालों तक जमे रहे और आप के लिए बूथ स्तर पर संगठन बनाया। आप की तरफ से नामित किए गए उम्मीदवारों में अशोक मित्तल लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के कुलपित हैं, संजीव अरोरा कृष्णा प्राण ब्रेस्ट कैंसर केयर चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक हैं।

राज्यसभा के सदस्यों का कार्यकाल 9 अप्रैल को समाप्त हो रहा है। इनमें कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा और एसएस डुल्लो, भाजपा के श्वेत मलिक, शिरोमणि अकाली दल के नरेश गुजराल और शिअद संयुक्त के एसएस ढींढसा का नाम शामिल है। जबकि, कांग्रेस की अंबिका सोनी और शिअद के बलविंदर सिंह भुंदर का कार्यकाल 4 जुलाई को खत्म हो रहा है। राज्यसभा में पंजाब की 7 सीटें हैं। आप ने पंजाब विधानसभा चुनाव में 117 में से 92 सीटें पर जीत का परचम फहराया था।

मुख्यमंत्री पद पर पुष्कर सिंह धामी की फिर हुई वापसी

मुख्यमंत्री के गुहार को माँ नयना देवी, शिव जी व गोल्ज्यू देवता समेत सभी धार्मिक स्थलों के परमात्मा का मिल गया आशीर्वाद

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एक बार फिर उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री बन गए हैं। आज भाजपा प्रदेश मुख्यालय में हुई विधानमण्डल दल की बैठक में सर्वसम्मति से पुष्कर सिंह धामी को प्रदेश का पुनः मुख्यमंत्री घोषित किया गया। बता दें कि सरोवर नगरी नैनीताल में विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भाजपा पार्टी की जीत के लिए मन्दिरों व धार्मिक स्थलों में गुहार

लगाने जगह-जगह पहुंचे थे। मुख्यमंत्री के गुहार को मां नयना देवी, शिव जी व गोल्ज्यू देवता समेत सभी धार्मिक स्थलों के परमात्मा का आशीर्वाद मिल गया। जहां भगवान ने मुख्यमंत्री धामी की गुहार स्वीकार कर ली, पर वह अपनी सीट नहीं बचा पाये। पार्टी की जीत के लिए मां नन्दा देवी मंदिर पहुंचे जहां उन्होंने शिवलिंग में जल, दूध से स्नान कराया। वहीं उन्होंने घोड़ाखाल गोल्ज्यू मन्दिर में भी भाजपा पार्टी व अपनी जीत के लिए गुहार लगाई थी। भाजपा पार्टी को तो बहुमत के साथ ले आये, पर अपनी सीट नहीं बचा पाये। वहीं भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पुनः मुख्यमंत्री की ताजपोशी कर दी है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ साथ नैनीताल वासियों में भी खुशी की लहर दौड़ पड़ी है, जबकि मुख्यमंत्री के पास अभी बड़ी चुनौती है।

खास खबर

मार्क्सवादी के कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं के शामिल होने का फैसला सोनिया करेगी

नई दिल्ली। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के 23वें पार्टी कांग्रेस से जुड़े किसी भी सेमिनार में कांग्रेस का नेता शामिल नहीं होगा। कांग्रेस ने कन्नूर में अगले महीने होने वाले वाम दल के कार्यक्रम में किसी भी कांग्रेस नेता के शिरकत करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। पार्टी का कहना हैं, कि अगर कोई नेता बैन के खिलाफ जाकर सेमिनार में भाग लेता है, तब उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। वहीं, माकपा ने कदम को लेकर कांग्रेस पर भी निशाना साधा है।रिपोर्ट के अनुसार, माकपा ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर और पूर्व केंद्रीय मंत्री केवी थॉमस को सेमिनार में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। इस दौरान दोनों नेताओं को राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करनी थी। एक ओर जहां थरूर को धर्मनिरपेक्षता और चुनौतियां, तब थॉमस को राज्य और केंद्र नेतृत्व पर बोलने के लिए बुलाया गया था।

कीव पर की बमबारी, हमले में 6 लोगों की मौत

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध का 26वां दिन है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमीर ने कहा है, कि वे रूस के साथ बातचीत और समझौते के लिए तैयार हैं। साथ ही उन्होंने चेतावनी देकर कहा कि अगर रूस के साथ बातचीत विफल होती है,तब तीसरा विश्व युद्ध छिड़ सकता है। वहीं, यूक्रेन में मारे गए भारतीय छात्र नवीन शेखरप्पा का पार्थिव शरीर बेंगलुरू पहुंच गया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने हवाईअड्डे पहुंचकर पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम बसवराज बोम्मई ने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे बच्चे (नवीन शेखरप्पा) की यूक्रेन में जान चली गई। नवीन का पार्थिव शरीर यूक्रेन से लाना बहुत मुश्किल था। ये बहुत साहस की बात है। हमारे प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और सरकार ने ये करके दिखाया। मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं।

स्वच्छ गंगा मिशन पर बनी डॉक्यूमेंट्री चैनल पर दिखाई जाएगी

नई दिल्ली। गंगा नदी के उत्तराखंड के ग्लेशियर से निकलकर सुंदरबन तक बहने की यात्रा को दर्शाने वाली एक नई डॉक्यूमेंट्री फिल्म 22 मार्च को नेशनल ज्योग्राफिक चैनल पर दिखाई जाएगी। नेटवर्क ने इसकी जानकारी दी। यह डॉक्यूमेंट्री भारत के विशाल एवं व्यापक नदी संरक्षण कार्यक्रम पर आधारित है। नेटवर्क ने कहा कि एक घंटा लंबे इस विशेष कार्यक्रम %%गंगा÷ द रिवर फ्रॉम द स्काइज में लोगों, संगठनों और बुनियादी ढांचे के जटिल नेटवर्क को दर्शाया जाएगा, जोकि इस (स्वच्छ गंगा राष्ट्रीय मिशन) फिर से जीवंत और संरक्षित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

चार एकड़ में लगाई टमाटर की फसल, नहीं हुआ फायदा तब नष्ट किया

तिरुपुर। भारत एक कृषि प्रधान देश है। बावजूद इसके बड़ी संख्या में किसानों को उसकी फसल की सही कीमत नहीं मिलती। इसकारण कई बार किसानों को भारी नुकसान उठाकर मजबूरन फसल नष्ट करनी पड़ती है। ऐसा ही कुछ तमिलनाडु के तिरुपुर जिले के अल्लापुरम में हुआ है। यहां किसान ने अपनी चार एकड़ जमीन में उगाए गए टमाटरों को नष्ट कर दिया है। दरअसल, 41 वर्षीय शिवकुमार ने सीजन के लिए टमाटर की खेती की थी लेकिन, उन्हें इससे कुछ लाभ नहीं हुआ। उन्होंने खुद ही अपने ट्रैक्टर से खेती को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। शिवकुमार ने बताया कि फसल में जो लागत लगी है। वह नहीं निकाल रही। इसकारण वे फसल नष्ट करने के लिए मजबूर है। शिवकुमार ने बीज डालने, खरपतवार हटाने, खेत में खाद डालने, फल तोड़ने के लिए श्रमिकों को भुगतान करने और फिर मालवाहक वाहन में टमाटर लोड करने के लिए लगभग 1.5 लाख रुपये खर्च किए हैं। इस खर्चों के बाद टमाटर केवल पांच रुपये किलो खरीदा जा रहा है।

पीएम मोदी वाराणसी में बाहरी नहीं, तो मुझे आसनसोल में क्यों कहा जा रहा बाहरी : शत्रुघ्न

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की आसनसोल लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए टीएमसी उम्मीदवार शत्रुघ्न सिन्हा ने खुद को बाहरी बताने के लिए भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में ऐसा क्यों नहीं कहती, जो गुजरातदी हैं और वाराणसी से चुनाव लड़ते हैं। सिन्हा ने पश्चिम वर्धमान जिले के अंडल हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्हें विश्वास है कि आसनसोल की जनता तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी के नाम पर वोट डालेगी, जो बंगाल के विकास के लिए हमेशा खड़ी रही हैं। सिन्हा ने कहा, यदि प्रधानमंत्री जैसी राष्ट्रीय हस्ती का कहीं और से चुनाव लड़ना स्वीकार्य है तो यह बात मेरे ऊपर भी लागू होनी चाहिए। सुकांत मजूमदार और अग्निमित्र पॉल जैसे बंगाल भाजपा नेताओं ने हाल ही में सिन्हा को राज्य में बाहरी व्यक्ति के रूप में पेश किया है।

न्यूज़ ट्रैक....

हैदराबाद एफसी आईएसएल की नई चैंपियन बनी

मडगांव । हैदराबाद एफसी ने केरल ब?लास?टर्स को शूटआउट में हराकर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल खिताब पहली बार जीता है। हैदराबाद ने पैनाल्टी शूटआउट में 3-1 से जीत दर्ज की। हैदराबाद ने पहली बार आईएसएल खिताब अपने नाम किया है। इस जीत में गोलकीपर लक्ष्मीकांत कट्टिमणि की अहम भूमिका रही। इस मैच में तय समय तक कोई टीम गोल नहीं कर पायी। अतिरिक्त समय तक भी स्कोर 1-1 से बराबरी पर रहा। इस कारण पेनल्टी शूटआउट में मुकाबला पहुंचा जिसमें हैदराबाद ने 3-1 से जीत हासिल की। हैदराबाद की ओर से जोआओ विक्टर, खासा कमारा और हलीचरण नारजारी ने गोल किये जबकि केरल की ओर से एकमात्र गोल आयुष अधिकारी ने दागा। कट्टिमणि ने 3 गोल बचाकर हैदराबाद की जीत में अहम भूमिका निभाई। यह तीसरी बार है जब केरल को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है।

इस मुकाबले में पहला गोल 68वें मिनट में केरल की ओर से केपी राहुल ने किया और अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। मुकाबले के अंतिम मिनटों में हैदराबाद की ओर से साहिल तवोरा ने 88वें मिनट में गोल करके स?कोर बराबर कर दिया। इसके बाद अतिरिक?त समय में भी दोनों में कोई टीम गोल नहीं कर पायीं तो मुकाबला पैनाल्टी शूटआउट में चला गया जिसमें हैदराबाद को जीत मिली।

लार पर प्रतिबंध से तेज गेंदबाजी प्रभावित नहीं हुई : कमिंस

लाहौर । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि कोरोना महामारी के बाद संक्रमण के खतरे को रोकने के लिए गेंद पर लार लगाने को लेकर जो प्रतिबंध लगाया गया है उससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ा है। इससे पहले कहा जा रहा था कि लार पर प्रतिबंध लगाने से तेज गेंदबाजों को काफी नुकसान होगा क्योंकि गेंद पर चमक आती है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मई 2020 में कोविड-19 संक्रमण के कारण लार के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। वहीं क्रिकेट मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने हाल ही में लार के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया, जो इस साल अक्टूबर में लागू होगा। एमसीसी का तर्क है कि उसके शोध के अनुसार, लार लगाने से गेंद की गति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। वर्तमान में विश्व के शीर्ष तेज गेंदबाजों में शामिल कमिंस ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि लार पर प्रतिबंध से स्विंग गेंदबाजों का प्रदर्शन ज्यादा प्रभावित होगा। हम इसके विकल्प के तौर पर अभी पसीने का

ब्रेथवेट की शानदार बल्लेबाजी से वेस्टइंडीज हार से बची , दूसरा टेस्ट ड्रॉ

ब्रिजटाउन । कप्तान क्रेग ब्रेथवेट की शानदार बल्लेबाजी से यहां मेजबान वेस्टइंडीज टीम इंग्लैंड के खिलाफ हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच को ड्रॉ कराने में सफल रही है। पहली पारी में 160 रन बनाने वाले ब्रेथवेट ने दूसरी पारी में भी नाबाद अर्धशतक लगाकर अपनी टीम की हार को टाल दिया। इस मैच में इंग्लैड ने वेस्टइंडीज को जीत के लिए 282 रनों का लक्ष्य रखा था। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान इंडीज टीम अपनी दूसरी पारी में 5 विकेट पर 135 रन ही बना पायीं। अंतिम दिन मेजबान टीम पर हार का खतरा बढ़ता जा रहा था पर दूसरी पारी में लगभग 4 घंटे क्रीज पर रहकर ब्रेथवेट ने अपनी टीम को हार से बचा लिया। ब्रेथवेट ने कुल 16 घंटे क्रीज पर रहकर 673 गेंदों का सामना किया। इस दौरान ब्रेथवेट ने पूर्व ब्रायन लारा का 18 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। लारा ने अपनी 400 रन की रिकॉर्ड पारी में 582 गेंदों का सामना किया था। लारा ने यह रिकॉर्ड साल 2004 में बनाया रिकॉर्ड तोड़ा था। .मेजबान टीम ने 39 रन पर ही अपने तीन विकेट खो दिये थे पर

इसके बाद ब्रेथवेट ने संयम से खेलते हुए मैच को ड्रॉ कराने में सफलता हासिल की। ब्रेथवेट ने 184 गेंदों पर नाबाद 56 रन बनाए। उन्होंने जर्मेन ब्लैकवुड के साथ चौथे विकेट के लिए 50 रनों की साझेदारी बनायी। इसके बाद पांचवें विकेट के लिए जोशुआ डि सिल्वा के साथ नाबाद 42 रन भी बनाये। वहीं डिसिल्वा 63 गेंदों पर 30 रन बनाकर आउट नहीं हुए। ब्लैकवुड 84 गेंदों पर 27 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इससे पहले इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी 9 विकेट पर 507 रन पर घोषित की थी जबकि वेस्टइंडीज टीम अपनी पहली पारी में 411 रन ही बना पायी। इंग्लैंड की ओर से दूसरी पारी में जैक लीच और साकिब महमूद ने 2-2 विकेट लिए।इंग्लैंड की ओर से पहली पारी में कप्तान जो रूट ने 153 रन बनाए थे जबकि बेन स्टोक्स ने 120 रन की पारी खेली थी। इसके बाद इंग्लैंड टीम ने अपनी दूसरी पारी 6 विकेट पर 187 रन पर घोषित कर दी थी। पहली पारी की बढ़त के आधार पर उसने मेजबान टीम को 282 रनों का लक्ष्य दिया।

मध्यप्रदेश की दिव्यांग क्रिकेट टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मचा रही है धूम

इन्दौर । जिला प्रशासन विशेषकर कलेक्टर मनीष सिंह के संवेदनशील सहयोग से इन्दौर के दिव्यांगों से बनी मध्यप्रदेश की क्रिकेट टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में धूम मचा रही है। यह अनूठी प्रतियोगिता इन्दौर के एमराल्ड हाइट्स में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों के हौसला अफजाई के लिए कलेक्टर मनीष सिंह स्वयं खिलाड़ियों के बीच पहुंचे। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया तथा उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। उन्होंने कहा कि वह आगे बढ़े उन्हें हर संभव मदद दी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि बी.सी.सी.आई. द्वारा दिव्यांग क्रिकेट कमेटी का भी गठन किया गया है। भविष्य में बी.सी.सी.आई. के तहत

एक क्रिकेट टूर्नामेंट होने की उम्मीद है। कलेक्टर मनीष सिंह ने कहा कि उम्मीद है कि इस क्रिकेट टूर्नामेंट में इन्दौर के खिलाड़ी शामिल होंगे। उन्हें सभी जरूरी सुविधायें और और संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्हें किसी तरह की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर मनीष सिंह की पहल पर ही इन्दौर के दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ियों को अत्याधुनिक सुविधा से युक्त ट्राईसाईकिल उपलब्ध कराई गई थीं। इन्हीं ट्राईसिकलों के सहारे दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ियों द्वारा बेहतरीन प्रदर्शन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का कल सोमवार को फाइनल मुकाबला है।

एशिया कप 27 अगस्त से श्रीलंका में खेला जाएगा : एसीसी

कोलंबो । एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इस टूर्नामेंट का 15वां संस्करण 27 अगस्त से 11 सितंबर तक श्रीलंका में खेला जाएगा। एसीसी ने कहा है कि इस साल यह टूर्नामेंट टी-20 प्रारूप में खेला जाएगा। भारतीय टीम एशिया कप के 14 वें सत्र में विजेता रही थी। ऐसे में वह इस बार भी खिताब बरकरार रखना चाहेगी। भारतीय टीम की ओर से पूर्व कप्तान विराट कोहली के अलावा वर्तमान कप्तान रोहित शर्मा भी इस टूर्नामेंट में खासे सफल रहे हैं। एशिया कप में सबसे ज्यादा 1220 रन श्रीलंका के सनथ जयसूर्या ने बनाये हैं। उन्होंने 53 के औसत से 6 शतक और 3 अर्धशतक लगाये हैं। भारत की ओर से सबसे ज्यादा 971 रन सचिन तेंदुलकर ने बनाये हैं। उन्होंने 51 के औसत से 2 शतक ओर 7 अर्धशतक लगाये हैं।

वहीं विराट ने एशिया कप के 16 मैचों में 766 रन बनाए हैं जिसमें 3 शतक और दो अर्धशतक भी शामिल हैं। कोहली ने एशिया कप में अपने एकदिवसीय करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी 183 रन बनाम पाकिस्तान खेली थी। रोहित ने 42 के औसत से 883 रन बनाये हैं। इसमें एक शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं। वहीं एशिया में सबसे ज्यादा 30 विकेट का रिकार्ड श्रीलंकाई दिग्गज मुथैय्या मुरलीधरन के नाम है। दूसरे स्थान पर भी श्रीलंका के ही लसिल मलिंगा हैं। मलिंगा के नाम 29 विकेट हैं।

इंडियन वेल्स टेनिस में विजेता टेलर फिटज ट्रॉफी उठाये हुए।

अय्यर को आईपीएल में अपनी टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

नई दिल्ली । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के नये कप्तान श्रेयस अय्यर को उम्मीद है कि उनकी टीम आईपीएल के इस 15 वें सत्र में अच्छा प्रदर्शन करेगी। अय्यर को केकेआर ने मेगा नीलामी में 12.25 करोड़ रुपए में खरीदा है। अय्यर पिछले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की टीम में थे। अय्यर के अनुसार वह आईपीएल के इस सत्र में किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। अय्यर के अनुसार उनका पसंदीदा स्थान नंबर तीन पर बल्लेबाजी करना है पर वह किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। अय्यर ने अपनी टीम के खिलाड़ियों से भी कहा है कि किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार रहें ओर हर प्रकार की जिम्मेदारी लें। उन्होंने कहा, ÷आप हमेशा एक प्रकार की ही भूमिका नहीं निभा सकते। मैं किसी भी दिन एक पावर हिटर की भूमिका निभा सकता हूं और जरूरत पड़ने पर टीम को संभालने वाले खिलाड़ी के तौर पर भी नजर आ सकता हूं। यह सब हालातों पर निर्भर करता है। यदि आपका दिन है तो आप बाहर जाकर टीम के लिए मैच जीता सकते हैं। सभी खिलाड़ियों को इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी और अन्य खिलाड़ियों के भरोसे पर रहने की जगह स्वयं मैच जीतने के प्रयास करने होंगे।।÷ केकेआर को आईपीएल में अपना पहला मुकाबला गत विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) से खेलना है। पिछले सत्र में केकेआर उपविजेता रही थी।

टीम इस प्रकार है

आंद्रे रसेल, वरुण चक्रवर्ती, वेंकटेश अय्यर, सुनील नरेन, श्रेयस अय्यर, पैट कमिंस, अभिजीत तोमर, सैम बिलिंग्स, एलेक्स हेल्स, रमेश कुमार, मोहम्मद नबी, अमन खान, उमेश यादव, नीतीश राणा, शिवम मावी, शेल्डन जैक्सन, अजिंक्य रहाणे , रिंकू सिंह, अनुकुल रॉय, रसिख डार, चमिका करुणारत्ने, बाबा इंद्रजीत, अशोक शर्मा, प्रथम सिंह।

व्यापार न्यूज

लोकल एजेंट अब कनाडा के लिए एयर इंडिया की टिकट बुक नहीं कर सकेंगे

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने लोकल एजेंट्स के कनाडा सेक्टर के लिए टिकट बुक करने पर रोक लगा दी है। दो साल के प्रतिबंध पाबंदी के बाद अब इंटरनैशनल ट्रेवल में छूट दी गई है जिससे मांग बढ़ गई है। जानकारी के मुता?बिक लोकल एजेंट्स इस पर जमकर मुनाफा कमा रहे हैं। इसे रोकने के लिए एयर इंडिया ने यह फैसला लिया है। ट्रेवल इंडस्ट्री के एक वर्ग का मानना है कि एयरलाइन की यह सख्त कार्रवाई उसके नए मालिक टाटा ग्रुप की वैल्यू को दिखाता है। एयर इंडिया को इस बात की जानकारी मिली थी के कुछ लोकल एजेंट टिकटों की बिक्री में उचित नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। इसे देखते हुए कंपनी ने उनके टिकट बुक करने पर प्र?तिबंध लगा दिया। जानकारी के मुताबिक इन एजेंटों में बड़ा घालमेल किया था। वे एक तय कीमत पर सीटें ब्लॉक कर रहे थे और उससे चार गुना कीमत पर बेच रहे थे। इसी कारण उन पर रोक लगाई गई है क्योंकि इससे एयरलाइन को भारी नुकसान हो रहा था। अब कनाडा सेक्टर पर यात्रा करने जा रहे यात्री सीधे एयरलाइन की वेबसाइट पर टिकट बुक करा सकते हैं। पैसेंजर अब कॉल सेंटरों और एयरलाइन की बेवसाइट के जरिए टिकट बुक कर सकते हैं। इस बारे में एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह इस बारे में संबंधित विभाग से जवाब का इंतजार है। सरकार ने 27 मार्च से नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बहाल करने की घोषणा की है। लेकिन एजेंट्स पर प्र?तिबंध ञ्से गर्मियों की छुट्टियों के पीक सीजन में एयर इंडिया की कनाडा के लिए टिकटों की बुकिंग प्रभावित हो सकती है। कनाडा में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं। इस रूट पर केवल एयर इंडिया और एयर कनाडा ही संचालन करती हैं।

एफएमसीजी उत्पाद 10 फीसदी हो सकते हैं महंगे

नई दिल्ली । दैनिक उपयोग में आने वाले उत्पादों की कीमत में बढ़ोतरी हो सकती है। गेहूं, पाम तेल और पैकेजिंग सामान जैसे जिंसों के दामों में उछाल की वजह से एफएमसीजी कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी की तैयारी कर रही हैं। इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से भी एफएमसीजी कंपनियों को झटका लगा है। उनका मानना है कि इसके चलते, गेहूं, खाद्य तेल और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आएगी। डाबर और पारले जैसी कंपनियों की स्थिति पर नजर है और वे मुद्रास्फीतिक दबाव से निपटने के लिए वह यह कदम उठाने पर विचार कर सकती है। जानकारी के मुता?बिक हिंदुस्तान यूनिलीवर और नेस्ले ने पिछले सप्ताह अपने खाद्य उत्पादों के दाम बढ़ा दिए हैं। पारले प्रोडक्ट्स के वरिष्ठ अधिकारी कहते हैं कि कंपनी उत्पादों की कीमतों में 10 से 15 फीसदी की वृद्धि कर सकती है। उन्होंने कहा कि कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव है। ऐसे में अभी तक कहना मुश्किल है कि मूल्य वृद्धि कितनी होगी।

मजबूती के साथ खुले शेयर बाजार

सेंसेक्स 58,000 और निफ्टी 17,300 के पार

मुंबई । वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रूख और मारुति, इंफोसिस और टीसीएस जैसे बड़े शेयरों के लाभ में जाने से सप्ताह के पहले कारोबारी ?दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 264 अंक चढ़ गया। इस दौरान 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 264.02 अंक चढ़कर 58,127.95 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह एनएसई निफ्टी 66.3 अंक की बढ़त के साथ 17,353.35 पर आ गया। सेंसेक्स में मारुति सुजुकी इंडिया, विप्रो, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, इंफोसिस, टाइटन, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस तथा

एचसीएल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयर लाभ में थे। दूसरी ओर, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, पॉवर ग्रिड और हिंदुस्तान यूनीलिवर लिमिटेड के शेयर नुकसान में चल रहे थे। पिछले कारोबारी सत्र में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,047.28 अंक उछलकर 57,863.93 अंक पर बंद हुआ था। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 311.70 अंक चढ़कर 17,287.05 अंक पर बंद हुआ था। होली के त्योहार के कारण शुक्रवार को शेयर बाजार बंद रहा था। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को 2,800.14 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

सोना सस्ता, चांदी की कीमत बढ़ी

नई दिल्ली । सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को जहां एक ओर क्रूड ऑयल के दाम में इजाफा हुआ और यह एक बार फिर 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। वहीं सोने की कीमत में कमी आई है, जबकि चांदी के भाव में उछाल जारी है। होली के त्योहार पर जोरदार उछाल के बाद अब सोने के भाव में नरमी आई है। हालांकि, चांदी की कीमत में अभी भी तेजी जारी है। सोमवार को सोने की कीमत 0.15 फीसदी टूटकर 51,372 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गई है, जबकि चांदी के दाम में 0.21 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। एमसीएक्स पर चांदी का भाव सोमवार को उछलकर 68,019 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गया है। बता दें कि बीते माह चांदी ने 74 हजार रुपए प्रति किलोग्राम का आंकड़ा छुआ था। आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है।

बिटकॉइन 41,000 डॉलर से नीचे, शीबा में भी गिरावट

मुंबई । सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को क्रिप्टोकरेंसी बाजार में मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन के दाम में गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं दूसरी ओर इथेरियम डॉगेकॉइन, शिबाइनु की कीमत में भी गिरावट आई है। वहीं टेरा की कीमत में तेजी देखने को मिल रही है। गौरतलब है ?कि मौजूदा समय में ग्लोबल क्रिप्टारेकरेंसी मार्केट 2 ट्रिलियन डॉलर से नीचे है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत में सोमवार को 41,000 डॉलर स्तर से नीचे कारोबार कर रही है। डिजिटल टोकन 2 फीसदी गिरकर 40,072 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। क्रिप्टोकरेंसी 2022 में अब तक लगभग 11 फीसदी नीचे है। यह पिछले साल नवंबर में अपने 69,000 डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर से लगभग 30 फीसदी दूर है। ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 1.95 ट्रिलियन डॉलर पर है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी इथेरियम भी 2 फीसदी से अधिक गिरकर 2,840 डॉलर हो गई। डॉगकोइन की कीमत लगभग 3 फीसदी गिरकर 0.11 डॉलर हो गई, जबकि शीबा इनु 5 फीसदी से अधिक गिरकर 0.000023 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। पिछले 24 घंटों में पॉलीगॉन, लिटकोइन, स्टेलर, यूनिस्वैप, सोलाना, पॉलीगॉन, पोलकाडॉट, कार्डानो के रूप में अन्य डिजिटल टोकन के प्रदर्शन में भी गिरावट आई, जबकि टेरा 2 फीसदी से अधिक बढ़ गया।

डॉलर के मुकाबले रुपया 26 पैसे टूटा

मुंबई । कच्चे तेल की कीमतों में फिर से वृद्धि और अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने के कारण रुपया सप्ताह के पहले कारोबारी ?दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 26 पैसे की गिरावट के साथ 76.10 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 76.08 पर खुला, फिर यह और गिरावट के साथ 76.10 पर आया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 26 पैसे की गिरावट को दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 37 पैसे की तेजी दर्शाता 75.84 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत बढ़कर 98.31 के स्तर पर आ गया।

बीएसएनएल को 21-22 में 1 विभिन्न सेवाओं से 17000 करोड़ आय की उम्मीद

नई दिल्ली । भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक पीके पुरवार ने बताया कि कंपनी को 2021-22 में 17,000 करोड़ रुपये की सेवा से आय होने की उम्मीद है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में थोड़ी कम है। उन्होंने बताया कि कॉल कनेक्ट शुल्क हटाने के कारण मुख्य रूप से आय में कमी आएगी। पुरवार ने कहा सरकारी स्वामित्व वाली दूरसंचार कंपनी को अपना ग्राहक आधार बनाए रखने और आने वाले महीनों में शुरू होने वाली 4जी सेवाओं से अपनी पकड़ बनाए रखने का भरोसा है। उन्होंने कहा 5जी सेवाओं के लिए निजी दूरसंचार कंपनियों की प्रतिस्पर्धा तेज होने के बावजूद ऐसा होगा। उन्होंने कहा कि निजी परिचालकों द्वारा 5जी पेशकशों की शुरुआत से बीएसएनएल को तत्काल नुकसान नहीं होगा, क्योंकि नए जमाने की सेवाओं के लिए उपकरण अभी विकसित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल द्वारा 4जी सेवाएं शुरू करने की तैयारी अच्छी तरह से चल रही है। बीएसएनएल का 2022 में 4जी सेवाएं शुरू करने का लक्ष्य है। पुरवार ने बताया कि हम चुनौतियों के बावजूद वित्त वर्ष 2021-22 में स्थिर आय (सेवाओं से, अन्य आय को छोड़कर) को बनाए रखने में सक्षम हैं।

जनवरी में ईपीएफओ से जुड़े 15.29 लाख सब्सक्राइबर्स

नई दिल्ली । रिटायरमेंट फंड बॉडी एंप्लाई प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन (ईपीएफओ) ने जनवरी 2022 में 15.29 लाख नेट सब्सक्राइबर्स जोड़े हैं, जो दिसंबर 2021 के 12.60 लाख की तुलना में 21 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। श्रम मंत्रालय ने कहा ?कि ईपीएफओ के अनंतिम पेरोल आंकड़े 20 मार्च को जारी किए गए हैं, जिसके मुताबिक ईपीएफओ ने जनवरी 2022 में 15.29 लाख सब्सक्राइबर्स जोड़े। मासिक आधार पर देखें तो दिसंबर 2021 की तुलना में जनवरी 2022 में 2.69 लाख सब्सक्राइबर्स अधिक बनाए गए। आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर 2021 में कुल 12.60 लाख नए

सब्सक्राइबर्स जुड़े। बयान के अनुसार जनवरी में शुद्ध आधार पर जोड़े गए कुल 15.29 लाख सब्सक्राइबर्स में से लगभग 8.64 लाख नए सब्सक्राइबर्स को ईपीएफ और एमपी एक्ट, 1952 के सामाजिक सुरक्षा दायरे के तहत रजिस्टर्ड किया गया है। बयान में आगे बताया गया कि लगभग 6.65 लाख शुद्ध ग्राहक योजना से बाहर हो गए थे लेकिन अंतिम आ?खिरी ?निकासी का विकल्प चुनने के बजाय अपनी सदस्यता जारी रखते हुए ईपीएफओ में फिर से शामिल हो गए। मंत्रालय ने कहा कि पेरोल डेटा जुलाई 2021 से बाहर हुए सदस्यों की संख्या में गिरावट की प्रवृत्ति को भी दर्शाता है।

माधुरी दीक्षित ने पिंक लहंगे में करवाया फोटोशूट

माधुरी दीक्षित खूबसूरत एक्ट्रेस में से एक है ये सोशल मिडिया पर काफी एक्टिव रहती है अपने फेन्स के साथ काफी फोटोज शेयर करती है माधुरी ने इन दिनों अपनी कुछ फटोज़ पोस्ट की जिसमे वे काफी खूबसूरत नजर आ रही है इन फोटोज में वे पिंक कलर का लहंगा पहनी हुई नजर आ रही है माधुरी अपनी इन फोटोज में हल्के और डार्क पिंक कलर में जरी लहंगा पहने हुई नजर आ रही है इसके साथ डार्क पिंक लिपस्टिक,ड्राप डायमंड झुमके और एक नेकपीस के साथ अपना खूबसूरत लुक देती हुई दिखाई दे रही है इन ड्रेस के साथ माधुरी ने अपने बालो में बन बनाया हुआ है माधुरी का मॉडर्न लुक हो या फिर ट्रेडिशनल लुक उनका हर स्टाइल उनके फेन्स को काफी पसंद आता है और उनकी हर फोटो सोशल मिडिया पर हंगामा करती है माधुरी का ये ऑउटफिट डांसिंग रियलिटी शो डांस दीवाने का है एक्ट्रेस का ये पिंक कलर का अंदाज उनके फेन्स ने काफी पसंद किया है माधुरी के फेन्स ने उनकी इस फोटोज पर काफी लाइक्स और कमेंट किये है किसी एक ने तो उनको जलपरी का इमोजी कमेंट किया है माधुरी के वर्कफ्रंट की बता करे तो ये रियलिटी शो डांस दीवाने 3 में जज के रूप में नजर आ रही है पिछली बार ये फिल्म कलंक में नजर आयी थी।

पार्थ समथान ने उनकी चॉकलेट बॉय इमेज को तोड़ने के लिए एकता कपूर को दिया धन्यवाद

अभिनेता पार्थ समथान आगामी सीरीज मैं हीरो बोल रहा हूं में एक तूफानी किरदार में नजर आएंगे। उन्हें टेलीविजन के कई वर्षों के दौरान अपनी चॉकलेट बॉय की छवि को बदलने की खुशी भी है। अभिनेता

कैसी ये यारियां और कसौटी जिंदगी की जैसे सीरियल में अपनी भूमिकाओं के लिए एक जाना माना चेहरा बन चुके हैं। उनकी स्वच्छ छवि के कारण उनके प्रशंसकों में बड़ी वृद्धि हुई है। हालांकि, एकता कपूर के अगले प्रोडक्शन मैं हीरो बोल रहा हूं में वह हाई ऑक्टेन एक्शन करते हुए दिखाई देंगे। पार्थ ने कहा, बस कुछ चाहना ही काफी नहीं है। वह इच्छा, जब आप कुछ हासिल करना चाहते हैं, साथ ही कड़ी मेहनत करने की इच्छा रखते हैं, यही वह चीज है, जो इंसान को महान बनाती है। मैं सही मायने में एकता (कपूर) मैम के लिए आभारी हूं कि उन्होंने मुझे आगे बढ़ाया और मेरे लिए बनी चॉकलेट बॉय की छवि को तोड़ा। उसने मुझे लगातार याद दिलाया कि एक अभिनेता के लिए यह कितना महत्वपूर्ण है कि उसे एक ही चीज में बंद होकर नहीं रहना चाहिए।

मुझे उम्मीद है कि लक्ष्मी घर आई में मेरा किरदार सामाजिक बदलाव लाएगा: अक्षित सुखिजा

जैसे हमारी संस्कृति के बारे में कुछ अच्छी बातें प्रचलित हैं उसी प्रकार इसमें कुछ सामाजिक बुराइयां भी हैं, जिसे सुधारने की बेहद जरूरत है। सौभाग्य से, अधिक से अधिक लोकप्रिय ब्रांड समाज के प्रति अपनी नैतिकता का एहसास करते हुए अपने नए- नए कॉन्टेंट में एक दूसरे से आगे निकल रहे हैं। इस समय में भारतीय टेलीविजन प्रेरणा लेने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है चाहे वह भावनात्मक हो, सामाजिक हो, अलौकिक हो या फिर संकट के समय में हो। टेलीविजन मनोरंजन का एक स्रोत है जो पूरे भारत में जनता को आकर्षित करता है। यह समझते हुए स्टार भारत ने हाल के दिनों में ऐसे शोज लाए हैं, जो सामाजिक संदेश देते हैं जैसे बच्चियों की भ्रूण हत्या प्रति जागरूकता पैदा करना और अब चैनल अपने एक नए शो लक्ष्मी घर आई के जरिए समाज में दहेजप्रथा को लेकर फैली कुरीतियों को के खिलाफ लोगों में जागरूकता बढ़ाएगा। इस शो में अनन्या खरे मुख्य विलन के रूप में नजर आएंगी, जिनका नाम है जयाला जो राघव (अभिनेता अक्षय सुखीजा द्वारा अभिनीत किरदार) की माँ और मैथली (अभिनेत्री सिमरन द्वारा अभिनीत किरदार) की सास हैं। सभी कलाकारों ने आगे आकर एक इम्पलुएंसर के रूप में समाज को अपना एक अलग योगदान दिया है और अब इस क्लब में शामिल होने जा रहे हैं अक्षित सुखीजा।

नेहा शर्मा हो रही है इंस्टाग्राम पर वायरल

भले ही नेहा शर्मा फिल्मों में कम ही नजर आती हों लेकिन इंस्टाग्राम पर उनका जलवा बरकरार है। नेहा शर्मा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने दिलकश अंदाज से फैन्स की नींदें चुराती रहती हैं। एक बार फिर नेहा ने अपने बोल्ड अवतार से फैन्स के होश उड़ा दिए हैं। तो आइए आपके दिखाते हैं नेहा की ये हॉट फोटोज। भले ही नेहा शर्मा फिल्मों में कम ही नजर आती हों लेकिन इंस्टाग्राम पर उनका जलवा बरकरार है। नेहा शर्मा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने दिलकश अंदाज से फैन्स की नींदें चुराती रहती हैं। एक बार फिर नेहा ने अपने बोल्ड अवतार से फैन्स के होश उड़ा दिए हैं। तो आइए आपके दिखाते हैं नेहा की ये हॉट फोटोज। नेहा शर्मा अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी फोटोज शेयर कर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। इन फोटोज में नेहा शर्मा स्वीमिंग पूल के किनारे बैठी नजर आ रहीं हैं, नेहा की इन तस्वीरों पर फैन्स का जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया पर नेहा के लाखों फैन्स हैं, जो उनकी तस्वीरों पर दिल खोलकर लाइक और कमेंट्स करते रहते हैं। आपको बता दें कि नेहा शर्मा क्रूक, क्या सुपर कूल हैं हम, यंगिस्तान, यमला पगला दीवाना, तुम बिन 2, मुबारकां और तान्हाजी जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में नेहा ने व्हाइट बिकनी में अपनी तस्वीरें शेयर की थीं, जिसमें वो काफी बोल्ड लग रहीं थीं।

युवा पीढ़ी सोशल मीडिया और चिंतित अभिभावक

आधुनिक संचार क्रांति के युग में युवाओं की सोच रचनात्मक होने की अपेक्षा दूषित हो रही है। युवाओं की दिनचर्या में बदलाव आ गया है। प्रतिस्पर्धा एवं बढ़ती महंगाई के दौर में माता पिता की जिम्मेदारी बढ़ गई है।पति पत्नी दोनों नौकरी कर रहे हैं यह उनका शौक नही बल्कि परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आवश्यक हो गया है। पति-पत्नी की व्यस्तता, बदलती जीवन शैली एवं नई सोच ने बालक, माता पिता संबंधों को दिशाहीन बना दिया है। पुराने जमाने की अपेक्षा आज अभिभावक बनना चुनौती पूर्ण कार्य हो गया है। संयुक्त परिवार होते थे परिवार में 20 से 30 सदस्य साथ रहते थे, संयुक्त परिवार की परंपरा समाप्त हो गई है। एकल परिवार में माता पिता नौकरी करते हैं। परिवार में छोटा बच्चा है तो माता के नौकरी पर जाने की मजबूरी के चलते बच्चे को झूलाघर, नौकर अथवा आया के सहारे दिन भर छोड़ा जाता है। आर्थिक दृष्टि से नौकरी करना उनकी मजबूरी बन गयी है, परिवार में दादा-दादी,ताई-ताऊ,चाचा-चाची,भुआ साथ नहीं होते हैं। आधुनिक संचार क्रांति के लगभग सभी उपकरण परिवार में बच्चों को उपलब्ध रहते है टी.वी., डेस्कटॉप, लैपटॉप, टेबलेट, मोबाइल आदि के साथ बचपन में बच्चों का अधिकांश समय व्यतीत होता है। आज के पालकों, अभिभावकों, माता-पिता की सबसे बड़ी चिंता है कैसे बच्चों को भटकने से बचाया जाये। समय की मांग है कि उन्हें लैपटॉप एवं मोबाइल दिया जाना चाहिए, छोटे छोटे बच्चे जिनकी उम्र दो या तीन वर्ष होती है वे भी जिद करके मोबाइल चलाते हैं। छोटे बच्चे मोबाइल पर कार्टून आँखें उड़ाकर देखते है, नई पीढ़ी की बचपन से ही नेत्र ज्योति कमजोर हो रही है। चश्मा लगाना मजबूरी हो गयी। बच्चे बड़े होकर कम्प्यूटर चलाते हैं, मगर माता-पिता यह नही समझ पाते कि उनका बच्चा कम्प्यूटर का उपयोग करते करते कब अश्लील गतिविधियों या गलत मित्रों के जाल में फंसकर गलत रास्ते पर बढ़ रहा है। सोशल नेट वर्किंग साइट्स या पोर्न साइट्स देखना बहुत आसान है।माता-पिता सोचते हैं शांति है बच्चे कम्प्यूटर से ज्ञान अर्जित कर रहे हैं। माता-पिता को पता नहीं चलता बच्चे छिपकर कुछ और ही कर रहे हैं। इंटरनेट पर सोशल साइट्स के युवाओं द्वारा उपयोग करने से साइबर अपराध अथवा बुलिंग के प्रकरण बढ़ रहे हैं। एक सर्वेक्षण में अनेक तथ्य प्रकाश में आये हैं। केवल 23त्न पालकों ने स्वीकार किया कि उनके बच्चे सोशल साइट्स देखते हैं। जबकि 53त्न बच्चों ने स्वीकार किया कि वे ऐसी साइट्स नियमित रूप से देखते हैं। 1500 भारतीय अभिभावकों व किशोरों पर किये गये गोपनीय सर्वे के अनुसार 20त्न किशोरों ने स्वीकार किया कि वे एक दिन में कई पोर्न साइट्स देखते हैं। 70त्न अभिभावकों ने पूर्ण विश्वास से कहा उनके किशोर बच्चे ऑन लाइन क्या कर रहे हैं, इसकी पूरी जानकारी उन्हें देते हैं। जबकि 58त्न किशोरों ने कहा वे अपने अभिभावकों से ऑन- मेरे एक मित्र ने नाम न बताने की शर्त पर मुझे जानकारी दी उनकी 15 वर्षीय बिटिया घर से बाहर जाने एवं मित्रों से मिलने से कतराने लगी, पहले उन्होंने ध्यान नहीं दिया, एक दिन सुबह उसकी आँखों पर सूजन देखकर चिंतित हुए, बेटी रोते रोते घबरा गई। उन्होंने ने मनोचिकित्सक को बुलाया। मनोचिकित्सक के बार-बार समझाने पर उसने बताया कोई अनजान व्यक्ति उसे अश्लील ई-मेल भेज रहा है और धमकी भरे कॉल कर निरंतर परेशान कर रहा है।

कहो तो कह दूँ - बाप रे बाप , 'बीबी' से बहस और झगडे का इतना घातक असर ...

चैतन्य भट्ट

सारे संसार के शादी शुदा मर्दों सावधान हो जाओ और आज से ईश्वर को हाजिर नाजिर जानकार ये कसम खाओ कि आज के बाद अपनी बीबी से बहस नहीं करोगे और न ही उससे झगड़ा करोगे द्य अब आप पूछोगे कि बीबी तो होती ही है बहस के लिए, यदि मियाँ बीबी में बहस न हो तो वे मियाँ बीबी काहे के, लेकिन अमेरिका की बर्कले यूनिवर्सिटी के एक प्रोफ़ेसर ने अपने सर्वे के बारे में बताया है कि यदि आप लम्बी उम्र पाना चाहते हो, आपको लम्बी जिंदगी मिले तो बीबी से बहस करना छोड़ दो, वो जैसा कहे सर झुका कर मान लो क्योंकि यदि आपने बीबी से बहस शुरू की तो समझ लो मौत आपके सर पर मंडरा रही है, क्योंकि इस सर्वे के हिसाब से जो हसबेंड अपनी वाइफ से रोज रोज झगड़ा करता है रोजाना किसी न किसी बात पर बहस करता है उससे उसके जिस्म में खुशी के लिए बनने वाले हार्मोन का उत्पादन कम हो जाता है और इस हार्मोन के घटने से भूख लगना बंद हो जाती है, शरीर में थकान बनी रहती है, हार्ट बीट पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है, थायराइड, हार्ट और तो और किडनी की भी समस्याएं शरीर में उत्पन्न हो जाती हैं द्य अब आप खुद ही सोचो कितने भयानक से भी भयानक रोग हो जाते हैं बीबी से झगड़ने और उससे बहस करने में, लेकिन एक बात उस प्रोफ़ेसर ने अपने सर्वे में नहीं बतलाई कि ये सारे असर सिर्फ पति पर ही होते हैं कि इसका शिकार पत्नी भी हो जाती है, जंहा तक अपनी सोच जाती है इसका सारा असर सिर्फ मर्दों पर ही होता होगा क्योकि महिलाओं को तो बहस करने और पति को डांटने फटकारने की अच्छी खासी प्रेक्टिस होती है इसलिए उन पर इसका असर नहीं होता होगा । इधर जब से ये सर्वे की रिपोर्ट सामने आई है तोलोग बाग़ अपने दिल को टटोलने में लग गए हैं , कोई किडनी की जांच करवाने पंहुच गया है, तो किसी ने बिना जांच करवाए ही थायराइड की गोली खाना शुरू कर दिया है, क्योंकि दुनिया में ऐसा कौन सा पति है जो बीबी से झगड़ातां ना हो या उसकी बहस अपनी बीबी से न होती हो द्यअपने को लगता है ये जितने भी पति स्वर्ग सिधार गए है चाहे वे किडनी फेल होने से निबटे हो, या फिर हार्ट अटेक से, इन सबकी अपनी अपनी बीबीयों से जबरदस्त बहस होती रही होगी और इसलिए भरी जवानी में ही वे ईश्वर के दरबार में अपनी हाजरी लगाने चले गए द्य अपनी तमाम मर्दों से अपील है कि आज से ये तय कर लो कि बीबी से बहस नहीं करेंगे, झगड़ा तो भूल ही जायेंगे लेकिन हाँ जिनके मन में आत्महत्या का विचार आता हो वो न तो पंखे पर लटकें, न जहर खाये, न रेल से कटने जाए, न नदी में कूदें, दिन में बीसेक बार बीबी से बहस कर लें, जम कर झगड़ा करें महीने दो महीने में अपने आप ही उनका राम नाम सत्य हो जाएगा इसमें कोई शक नहीं है द्य

अपन तो अपने प्रदेश में ही ठीक हैं: भारत सरकार के पासपोर्ट विभाग ने एक रिपोर्ट कार्ड जारी किया है जिससे ये पता लगा है कि विदेश जाने के लिए पासपोर्ट बनवाने के मामले में मध्य प्रदेश काफी नीचे है दो हजार चौदह से मध्य प्रदेश के लोगों की पासपोर्ट बनवाने वालों की संख्या प्रति हज़ार में मात्र सोलह रही द्य दूसरे प्रदेश के लोगों को इस बात पर बड़ा ही अचरज हुआ कि आखिर मध्य प्रदेश के लोग विदेश जाना क्यों नहीं चाहते अब इन्हें हम बतलाये देते हैं कि अपने प्रदेश में जो मजा और आजादी है वो विदेश में कैसे मिल पाएगी द्य सरकार अनाज दे रही है मुफ्त में, बिजली फ्री में, मकान फ्री में, कर्जा ले लो और मत चुकाओ सरकार चुका देगी, सड़कों पर

आढी टेढ़ी गाड़ी चलाओ कोई पूछने वाला नहीं, हेलमेट पहनों न पहनो कोई बाल भी बांका नहीं कर पायेगा, जंहा चाहे गुटका खाकर थूक दो, सड़क पर अपने आवारा मवेशी छोड़ दो नगर निगम का हांका गेंग हाथ तक नहीं लगाएगा, जहां मर्जी चाहे अतिक्रमण कर लो, दस फ़ीट की दूकान को पचास फीट तक फैला लो किसी को ऐतराज नहीं होगा , पुलिस पकड़ ले तो किसी पार्षद से से किसी विधायक से फोन करवा दो पुलिस वाला घर तक छोड़ कर आएगा, सरकारी जमीन पर कई मंजिला बिल्डिंग तान लो एक ईंट भी नहीं सरका पायेगा प्रशासन और शासन, सीलिंग की जमीन में प्लाट काट कर बेच खाओ किसी के कानों में जूं भी नहीं रेंगेंगी, जब इतना मजा और आराम है अपने प्रदेश में तो कौन बेवकूफ होगा जो विदेश में जाने के लिए पासपोर्ट बनवाएगा उधर न गुटका मिलेगा, न पान के ठेले पर खड़े होकर दुनिया भर की बातें करने का मौका, इसलिए अपने प्रदेश के लोग पासपोर्ट नहीं बनवाते है उनका कहना है भैया अपना प्रदेश ही अपने लिए सबसे सुटेबल है समझ गए न द्य

पत्थर साफ करवा रहे शराब दुकान मालिक: जब से मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने भोपाल की एक शराब की दुकान पर पत्थर चला कर दारू की बोतलें तोड़ दी है तब से हर शराब की दुकान का मालिक अपने इलाके के तमाम पथरा और ईंटें साफ करवाने में जुट गया है कि पता नहीं कब उमा जी आ जाये और पथरा और ईंटे सन्ना दें, जब पथरा ही नहीं रहेंगे तो उमा जी क्या चलाएंगी , अब शराब के दुकान दार सुबह दुकान खोलने से पहले पूरे इलाके को सचं करते है की कोई गिट्टी भी पड़ी न रह जाए यदि एक पथरा भी रह गया तो समझ लो वो चार पांच बोतल की बलि लेकर ही मानेगा, इधर सरकार भी भारी हलाकान है कि एक पूर्व मुख्य मंत्री की इस पथरबाजी पर क्या एक्शन ले, लेकिन उसकी समस्या शराब की दूकान के मालिक ने ही हल कर दी, गरीब ने पुलिस में कोई कंप्लेन्ट ही नहीं लिखाई अब पुलिस और सरकार को मौका मिल गया ये कहने का कि भाई जब किसी ने शिकायत ही नहीं की तो कार्यवाही कैसे कर देंद्य दूसरी तरफ प्रदेश भर के दरुये चिंता में है कि यदि उमा जी के प्रेशर में सरकार ने सचमुच शराबबंदी कर दी तो अपना क्या होगा ? उमा जी कम से कम इन दरुओं पर तो दया करो जो सुबह से ही ठेके पर पंहुच कर दारू से ही कुल्ला करते हैं द्य वैसे एक बात और बतला दें सभी की बदुआ ले लेना लेकिन किसी दरुये की बदुआ मत लेना बहुत अंदर से निकलती है उसकी बदुआ।

विवेक ही धर्म है

युग के आदि में मनुष्य भी जंगली था। जब से मनुष्य ने विकास करना शुरू किया, उसकी आवश्यकताएं बढ़ गई। आवश्यकताओं की पूर्ति न होने से समस्या ने जन्म लिया। समस्या सामने आई तब समाधान की बात सोची गई। समाधान के स्तर दो थे- पदार्थ-जगत, मनो-जगत. प्रथम स्तर पर पदार्थ के सुनियोजित उत्पादन और उनकी व्यवस्था को आकार मिला। दूसरा स्तर मानसिक था। इस जगत की समस्याएं थी अपरिमार्जित वृत्तियां, असंतुलन और तनाव। इन समस्याओं को समाहित करने के लिए धर्म की खोज हुई। धर्म का अर्थ है पारंपरिक मूल्य-मानकों से परे हटकर मनुष्य को सत्य की दिशा में अग्रसर करना। जब तक धर्म अपने इस परिवेश में रहता है, तब तक वह रूढ़ नहीं हो सकता। पर उद्देश्य की विस्मृति के साथ ही उसमें रूढ़ता आ जाती ह। रूढ़ धर्म को व्यक्ति अपने जीवंत संदभरे से काटकर परलोक के साथ जोड़ देता है। बस यहीं से धर्म में विकृति का प्रवेश होने लगता है। मैं ऐसा सोचता हूं कि धर्म का संबंध हमारी हर सांस से होना चाहिए। ऐसा वे ही व्यक्ति कर सकते हैं जो अपने जीवन की सतह पर दौड़-धूप कर रहे हैं। या फिर यह उन लोगों का काम है जो जीवन की गहराइयों में उतरकर अध्यात्म के प्रति समर्पित हो जाते हैं। जीवन की सतह पर जीने वाले व्यक्ति धर्म की गहराई में नहीं उतर सकते, किंतु अध्यात्म के प्रयोक्ता की दृष्टि से वह गहराई छिपी नहीं रह सकती। जो व्यक्ति उतनी गहराई में उतरे, उन्हें धर्म की विकृतियों का बोध हुआ। जो धर्म मन को समाधान देने वाला था, वह स्वयं समस्या बनकर उभर गया। इस दृष्टि से उसमें संशोधन व परिवर्तन की अपेक्षा अनुभव हुई। अणुव्रत उसी आवश्यकता का आविष्कार है।

जल संकट की गहराती समस्या

विश्व जल दिवस (22 मार्च) पर विशेष
योगेश कुमार गोयल

जल एक ऐसा दुर्लभ प्राकृतिक संसाधन है, जो सिर्फ कृषि कार्यों के लिए ही नहीं बल्कि पृथ्वी पर जीवन के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है लेकिन चिंतनीय स्थिति यह है कि जल की कमी का संकट न केवल भारत बल्कि दुनिया के लगभग सभी देशों की एक विकट समस्या बन चुका है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर दुनियाभर में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है। सही मायने में यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है। यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित 'पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (यूएनसीईडी) में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की उसी घोषणा के बाद पहला विश्व जल दिवस 22 मार्च 1993 को मनाया गया था। दरअसल दुनियाभर में इस समय करीब दो अरब लोग ऐसे हैं, जिन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा और साफ पेयजल उपलब्ध न होने के कारण लाखों लोग बीमार होकर असमय काल का ग्रास बन जाते हैं। बात यदि भारत के संदर्भ में करें तो हमारा देश पहली बार 2011 में जल की कमी वाले देशों की सूची में शामिल हुआ था और अब स्थिति ऐसी हो चुकी है कि महाराष्ट्र हो या राजस्थान, बिहार हो या झारखण्ड या फिर देश की राजधानी दिल्ली, प्रतिवर्ष विशेषकर गर्मी के मौसम में देश के विभिन्न हिस्सों में पानी को लेकर लोगों के बीच आपस में झगड़े-फसाद की खबरें सामने आती रही हैं। कुछ ही साल पहले शिमला जैसे पर्वतीय क्षेत्र में पानी की कमी को लेकर हाहाकार मचा था और उसके अगले साल चेन्नई में वैसी ही स्थिति देखी गई। ये मामले जल संकट गहराने की समस्या को लेकर हमारी आंखें खोलने के लिए पर्याप्त थे किन्तु फिर भी इससे निपटने के लिए सामुदायिक तौर पर कोई गंभीर प्रयास होते नहीं दिख रहे। यही वजह है कि भारत में बहुत सारे शहर अब शिमला तथा चेन्नई जैसे हालातों से जूझने के कगार पर खड़े हैं। प्रधानमंत्री द्वारा

कनैक्शन थे और इस योजना के तहत 2024 तक 19.22 करोड़ ग्रामीण परिवारों तक पानी पहुंचाए जाने का लक्ष्य है। आंकड़ों के अनुसार इस मिशन की शुरूआत से लेकर 28 महीनों की अवधि में कुल 5.44 करोड़ घरों तक नल से जलापूर्ति शुरू की जा चुकी है और इस 2019 में देश के हर ग्रामीण क्षेत्र तक नलों के जरिये प्रत्येक घर में जल पहुंचाए जाने के लिए 'जल जीवन मिशन' नामक अभियान की शुरूआत की गई थी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस मिशन की शुरूआत से पहले देश के ग्रामीण इलाकों में केवल 3.23 करोड़ परिवारों के पास ही नल प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में यह संख्या कुल 8.67 करोड़ हो चुकी है। हालांकि घर-घर तक जल पहुंचाने का वास्तविक लाभ तभी होगा, जब नलों से जलापूर्ति भी सुचारू रूप से हो और यह केवल तभी संभव होगा, जब जलस्रोतों की बेहतर निगरानी व्यवस्था होने के साथ-साथ जल संरक्षण के लिए कारगर प्रयास नहीं किए जाएं। पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक में विस्तार से यह वर्णन किया गया है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। बाकी पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी अथवा जीवनदायी नहीं है। पुस्तक के अनुसार पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों, झीलों, नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है। इससे स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें।

रंगपंचमी : विश्व धरोहर बनते-बनते रह गई हमारी गेर!

सूडोकु नवताल- 6017 ★★★☆☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल 6016 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

कीर्ति राणा

रंगपंचमी पर निकलने वाली गेर को विश्व धरोहर स्थल (यूनेस्को) की सूची में शामिल कराने की पहल जोर-शोर से तत्कालीन कलेक्टर लोकेश जाटव (अभी वाणिज्यिक कर आयुक्त, इंदौर) के वक्त हुई थी, हालात कुछ ऐसे बने कि जाटव का यकायक तबादला हो गया और गेर भी विश्व धरोहर सूची में शामिल नहीं हो पाई।तीन साल पहले जो प्रयास हुए वह फाइल संगीत नाट्य अकादमी और कलेक्टोरेट में कहां धूल खा रही है, कोई पता भी नहीं लगाना चाहता।

इस साल तो रंग पंचमी को एक पखवाड़ा शेष है, कुछ हो नहीं सकता।यदि अभी से जनप्रतिनिधि-सरकार पहल करे तो अगले साल तक हमारी गेर विश्व धरोहर सूची में स्थान हासिल कर सकती है।तीन साल पहले तत्कालीन कलेक्टर जाटव ने विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए प्रयास किए थे।एडीएम अजय देव शर्मा की अध्यक्षता में गठित समिति में शा. जीजाबाई कन्या महाविद्यालय के डा.मनोहर दास सोमानी को समन्वयक और शा. कला-वाणिज्य महा. की अंग्रेजी की प्रोफेसर डॉ उषा जैन को ड्राफ्टिंग एवं डॉ नमिता काटजू (इतिहास) को ऐतिहासिक तथ्य जुटाने का दायित्व दिया गया था।

शहर हित के इस काम में विज्ञापन एजेंसी आर्चर के संचालक शिशिर सोमानी ने बिना कोई शुल्क लिए सेवा दी।उन्होंने शहर के जानकार पत्रकार श्रवण गर्ग, मराठी समाज के सुनील मतकर, गेर आयोजक शेखर गिरी, कमलेश खडेलवाल, राजपाल जोशी, यश मिश्रा, अभिमन्यु मिश्रा, ओमप्रकाश शास्त्री आदि से चर्चा कर वीडियो क्लिपिंग भी तैयार कराई।डॉ सोमानी ने रंगपंचमी गेर की प्रामाणिक जानकारी वाली रिपोर्ट कलेक्टर को सौंप दी। कलेक्टर ने अपने ई मेल से संगीत नाट्य अकादमी दिल्ली को प्रस्ताव-रिपोर्ट भी भेज दी। इसी बीच जाटव का रातोंरात तबादला हो गया भारत सहित पूरी दुनिया में कोरोना महामारी फैलने लग गई।नतीजा यह हुआ कोरोना की रोकथाम के चलते जिला प्रशासन के लिए भी गेर गौण हो गई। तब से यह फाईल दबते ही जा रही है।

??हमारी गेर का सूची में 41वां स्थान होगा

यूनेस्को द्वारा भारत के 40 स्थलों को विश्व विरासत स्थलों की सूची में शामिल किया गया है। हमारी गेर सूची में शामिल होने पर उसका 41वां स्थान होगा। अभी भारत के इन विश्व विरासत स्थलों में से 32 सांस्कृतिक स्थल, 7 प्राकृतिक स्थल और 1 मिश्रित स्थल है।

पहले निकली गेर के रोचक किस्से

हाथी को शामिल करना प्रतिबंधित कर दिया, सात फुट लंबा आदमी अजूबा हो गया!

कोरोनकाल के बाद पहली बार गेर को लेकर आयोजक और आमजन उत्साह में है। उत्सवप्रिय शहर में होली का एक अलग क्रेज है। पुराने इंदौर की गेर के कई किस्से हैं जो बड़े रोचक हैं।

पहले गेर में हाथी-घोड़े पर बैठ कर भी रंगीले युवक गेर में निकलते थे। शायद रसिया क्लब की गेर में शामिल हाथी पर बैठे दाढ़ी वाले बाबा गोराकुंड चौराहे के समीप फिसल कर नीचे गिर पड़े थे। उनकी कमर में चोंट आई थी। इस घटना के बाद से हाथी व अन्य चौपाए प्रतिबंधित कर दिए गए। टोरी कार्नर की गेर में एक साल सर्कस के जोकर तो एक बार भोपाल से खास तौर पर आमंत्रित सात फुट लंबा आदमी गेर में आजूबा हो गया।अपनी ऊंचाई के कारण वह दूर से ही नजर आ रहा था।

लक्ष्मण सिंह द्वारा शुरु की गई परंपरा को कायम रखे हुए हैं पुत्र एकलव्य गौड़

विधायक गौड़ का दुर्घटना में निधन होने के बाद से महापौर मालिनी गौड़ और उनके पुत्र एकलव्य गौड़ के नेतृत्व में फाग यात्रा निकलती रही है। इसमें शिवराज सिंह चौहान, नरेंद्र सिंह तोमर सहित अन्य भाजपा नेता भी शामिल होते रहे हैं। रथ पर विराजित राधा-कृष्ण, शामिल होने वाली महिलाओं के चारों तरफ सुरक्षा घेरा, अरोरोट वाले सूखे रंगों का उपयोग, राधा-कृष्ण और फाग गाती भजन मंडलियां इस फाग यात्रा का आकर्षण रहे हैं। इसके साथ शहर के अन्य हिस्सों से करीब चार फाग यात्रा और निकलती हैं। विधायक मालिनी गौड़ ने बताया दूसरे साल से फाग यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल होने लगीं। प्राकृतिक रंग के लिए जंगलों से टेसू के फूल ट्रकों से लेकर आते हैं।इसके साथ ही अरारोट वाले सूखे रंग तैयार कराते हैं।भजन मंडलियों के गीतों पर महिलाएं खुद ही थिरकने लगती हैं।

पाकिस्तान किस गरीब की जोरु है?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भारतीय विदेश नीति की खुले-आम तारीफ करके अपना फायदा किया है या नुकसान, कुछ कहा नहीं जा सकता। इस वक्त पाकिस्तान की फौज और उनके गठबंधन के कुछ सांसद उनसे इतने नाराज़ हैं कि उनकी सरकार अधर में लटकी हुई है। यदि इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) के सम्मेलन में 50 देश भाग लेने के लिए इस्लामाबाद नहीं पहुंच रहे होते तो इमरान सरकार शायद अब तक गुड़क जाती। लगभग उनके दो दर्जन सांसदों ने बगावत का झंडा खड़ा कर दिया है। पाकिस्तानी संसद में वे सिर्फ 9 सांसदों के बहुमत से अपनी सरकार चला रहे हैं। पाकिस्तान के कई नेताओं और पत्रकारों ने मुझे बताया कि इमरान के बागी सांसद तभी पार्टी का साथ देंगे जबकि इमरान की जगह उनके विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी या परवेज खट्टक को प्रधानमंत्री बना दिया जाए। इनके नामों पर फौज सहमत हो सकती है। फौज के घावों पर इमरान ने यह कहकर नमक छिड़क दिया है कि पाकिस्तानी विदेश नीति हमेशा किसी न किसी महाशक्ति की गुलामी करती रही है जबकि भारत हमेशा आजाद विदेश नीति चलाता रहा है। भारत ने यूक्रेन के मामले में भी अमेरिका और नाटो देशों का समर्थन नहीं किया है। अमेरिका के साथ भारत के सामरिक रिश्ते घनिष्ट हैं लेकिन वह रूस से तेल आयात कर रहा है। जो यूरोपीय देशों के राजदूत पत्र लिखकर पाकिस्तान को उपदेश दे रहे हैं कि वह रूस की निंदा करे, वे ये ही सलाह भारत को देने की हिम्मत क्यों नहीं करते? पाकिस्तान को उन्होंने क्या गरीब की जोरु समझ रखा है? उन्होंने कहा है कि मैं पाकिस्तान का सिर ऊँचा रखूंगा। न किसी के आगे कभी झुका हूं, न पाकिस्तान को झुकने दूंगा। इमरान ने यह भी याद दिलाया कि अगस्त में जब अमेरिकी अफगानिस्तान खाली कर रहे थे तो उन्होंने पाकिस्तान से एक सैन्य अड्डे की सुविधा मांगी थी तो उन्होंने साफ इंकार कर दिया था। प्रधानमंत्री इमरान से जब-जब मेरी भेंट हुई है, भारत के प्रति उनका रवैया अन्य पाकिस्तानी नेताओं से मुझे भिन्न मालूम पड़ा है। प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद उन्होंने भारत के बारे में जो बयान दिए थे, उसमें भी वह प्रकट हुआ था। लेकिन पाकिस्तान की फौज और नेतागण हमेशा भारत से इतने डरे रहते हैं कि वे कभी अमेरिका या कभी चीन की गोद में बैठकर ही अपने आप को सुरक्षित समझते हैं। प्रधानमंत्री के तौर पर इमरान खान भी अभी तक इसी नीति पर चलते रहे हैं। दो-चार साल तक प्रधानमंत्री बने रहने पर हर पाकिस्तानी नेता फौज के वर्चस्व से मुक्त होना चाहता है।

न्यायालय के आदेश पर थाना प्रभारी निलंबित, फिर भी थाने मे विराजमान

न्यायालय एवं पुलिस अधीक्षक के आदेश को दे रहे चुनौती

मुरैना। सिविल लाइन थाना के प्रकरण में फरियादी प्रेमवती के मामले में स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए न्यायालय द्वारा कई बार सिविल लाइन थाना प्रभारी निरीक्षक विनय यादव को निर्देशित किया गया, बावजूद इसके रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की, जिस पर न्यायालय ने उनके इस कृत्य को लापरवाही एवं उदासीनता का परिचायक बताया और पुलिस अधीक्षक ने 19 मार्च को उन्हें निलंबित कर पुलिस लाइन भेजने के आदेश जारी किए, बावजूद इसके 21 मार्च को निरीक्षक विनय यादव थाने की कुर्सी पर विराजमान थे और शराब के एक मामले में कार्रवाई कर रहे थे। इससे यह साफ जाहिर होता है कि थाना प्रभारी को माननीय उच्च न्यायालय एवं पुलिस कप्तान के आदेश की कोई परवाह नहीं है या फिर उन्हें पूर्ण तरह से राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है।

जानकारी के अनुसार माननीय उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर में दायर एमसीआरसी क्रमांक 11093/2022 श्रीमती प्रेमवती विरुद्ध मध्यप्रदेश शासन में पारित निर्णय 2 मार्च 2022 के माध्यम से प्रकरण में स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने हेतु निर्देशित करने पर कार्यालय महाधिवक्ता मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ ग्वालियर द्वारा पत्र क्रमांक 23/26 दिनांक 4 मार्च 2022 पत्र क्रमांक 23/ 73 दिनांक 7 मार्च 2022 के माध्यम से प्रखंड थाना सिविल लाइन के अपराध क्रमांक 43/22 से संबंधित होने पर प्रकरण में नियत दिनांक 9 मार्च से पूर्व स्टेटस रिपोर्ट माननीय उच्च न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने हेतु सिविल लाइन थाना प्रभारी विनय यादव को लेख किया गया। इस संबंध में थाना प्रभारी को फोन एवं लिखित रूप से प्रकरण में नियत दिनांक से पूर्व स्टेटस रिपोर्ट माननीय उच्च न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने हेतु अवगत कराया गया, परंतु थाना प्रभारी विनय यादव की ओर से प्रकरण में स्टेटस रिपोर्ट माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष विलंब से प्रस्तुत की गई। फलस्वरूप माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश 9 मार्च 2022 के माध्यम से पुलिस अधीक्षक मुरैना को प्रकरण में स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने हेतु निर्देशित किया गया अन्यथा आगामी नियत दिनांक में पुलिस अधीक्षक मुरैना को स्वयं उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया। माननीय न्यायालय ने थाना प्रभारी के उक्त कृत्य को पदीय कर्तव्यों के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता का परिचायक माना है। पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी ने माननीय न्यायालय के आदेश के बाद इस मामले में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने वाले निरीक्षक विनय यादव को तत्काल प्रभाव से पुलिस लाइन भेजने के निर्देश 19 मार्च को जारी किए।

मृतक के पीड़ित परिवार को सौंपा 4 लाख का आर्थिक सहायता का चैक

मुरैना। म0प्र0 पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम अध्यक्ष रघुराज कंषाना द्वारा मुरैना विधानसभा क्षेत्र की पंचायत धनेला के ग्राम जनक के पुरा पहुंचकर पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता का चैक दिया। विदित हो कि जनक के पुरा में रामेश्वर जाटव के पुत्र पंचम जाटव की करंट लगने से आकस्मिक निधन हो गया था। जिसके बाद श्री कंषाना द्वारा पीड़ित परिवार को शासन से हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया था। इसके बाद श्री कंषाना ने अथक प्रयासों कर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान द्वारा 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता पीड़ित परिवार को स्वीकृति करवाई, जिसका चैक सोमवार को पीड़ित परिवार को दिया। उन्होंने कहा कि रामेश्वर को हुई इस अपूर्णनीय क्षति की पूर्ति तो नहीं की जा सकती, लेकिन आर्थिक सहायता से दुःख को क्षणिक कम किये जाने का प्रयास किया है। इस अवसर पर विद्युत विभाग के महाप्रबंधक पी.के. शर्मा, सुरेश डंडोतिया, दीपक गुप्ता, नीरज भदौरिया सहित विद्युत विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

किसान नेता अशोक तिवारी एवं महेश प्रजापति सड़क दुर्घटना में घायल

कैलारस। नगर परिषद कैलारस के पूर्व अध्यक्ष व मध्यप्रदेश किसान सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक तिवारी एवं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव महेश प्रजापति विगत 20 मार्च को शाम 8:30 बजे सबलगढ से किसी कार्यक्रम में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। लकेंजरा की पुलिया के पास मोटर साइकल के सामने अचानक कुता आ जाने से उनका बैलेंस खराब होने की वजह से सड़क पर गिर पड़े। दोनों नेता दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गये है। दोनों नेताओं के सिर, घुटनों एवं हाथों में गंहरे घाव एवं गंभीर चोटें आई है। खबर लगते ही सेमई गांव से उनके साथी माखन सिंह धाकड (पूर्व सरपंच), अपने भाई लच्छी व बेटे मोहन धाकड़, अमित के साथ घटना स्थल पर पहुँचे एवं उन्हे अस्पताल तक पहुँचाया।

किसान सभा ने रोष व्यक्त कर राष्ट्रपति के नाम दिया ज्ञापन

कैलारस। कृषि कानूनों के खिलाफ 378 दिनों तक चले लम्बे संघर्ष के बाद सरकार 9 दिसम्बर 2021 को कृषि विभाग के सचिव द्वारा पत्र वार्ता के माध्यम से सरकार की ओर से वादा किया था कि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद के लिये कमेटी बनाकर आम सहमति के आधार पर कानून बनायेगी एवं किसान आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमे वापिस लेगी लेकिन अभी सिर्फ हरियाणा को छोडकर किसी भी राज्य ने केस वापस नहीं लिये है। इस तरह सरकार अपने वायदे से मुकर कर किसानों के जख्मों पर नमक छिडकने का काम कर रही है। मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, उतराखण्ड व हिमांचल प्रदेश सरकार की ओर से नाम मात्र की कार्यवाही भी नहीं की गई है और न ही आंदोलन के दौरान शहीद किसानों के परिवारों को मुआवजा देने के औपचारिक निर्णय की घोषणा की है। इन सभी मांगो को लेकर किसान सभा ने रोष व्यक्त करते हुये एक ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति के नाम सौंपा। इस दौरान किसान सभा के जिला उपाध्यक्ष गयाराम सिंह धाकड़, किसान नेता कन्हैया लाल धाकड़, एडवोकेट बनवारी लाल, एडवोकेट केदारनाथ शर्मा, एसएफआई के प्रांतीय संयुक्त सचिव राजवीर धाकड़, सिंचाई अध्यक्ष रामलखन सिंह धाकड़, एसएफआई संयोजक बॉबी धाकड़, बन्टी धाकड़, प्रभात, अंकित, प्रदीप आदि उपस्थित थे।

लॉयंस क्लब द्वारा यातायात पुलिस का किया गया सम्मान

मुरैना। लॉयंस क्लब इंटरनेशनल के द्वारा आयोजित यातायात प्रोजेक्ट के तहत लॉयंस क्लब समन्वय मुरैना द्वारा यातायात पुलिस का शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मान किया गया तथा यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने की बात कही गई। लॉयंस क्लब इंटरनेशनल एवं समन्वय द्वारा यातायात थाना प्रभारी अखिल सिंह नागर, यातायात सूबेदार मधुरिमा नरवरिया, सूबेदार रोहित यादव, सहायक उप निरीक्षक आकिब वेग, सहायक उप निरीक्षक कमलेश, प्रधान आरक्षक श्याम सिंह का शॉल श्रीफल देकर सम्मान किया गया। गौरतलब है कि यातायात व्यवस्था को बड़ी ही अच्छी तरह से निभाया जा रहा हैं, इसलिए यातायात थाना पुलिस का लॉयंस क्लब के द्वारा सम्मान किया गया है। इस मौके पर यातायात नियम के बारे में भी जानकारी दी गई। यातायात थाना प्रभारी के द्वारा बताया गया कि हेलमेट लगाना बहुत जरूरी है, इसके प्रयोग से हम दुर्घटना से बच सकते हैं। ड्राइविंग करते समय ड्राइविंग लाइसेंस और संबंधित दस्तावेज साथ में जरूर रखें। कार्यक्रम में लॉयंस क्लब समन्वय की फाउंडर प्रेसिडेंट मीना गुप्ता, सचिव कल्पना चौंदिल, कोषाध्यक्ष दीप्ति गुप्ता, अनीता गुप्ता, बीना गुप्ता, रेखा बादिल सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहीं।

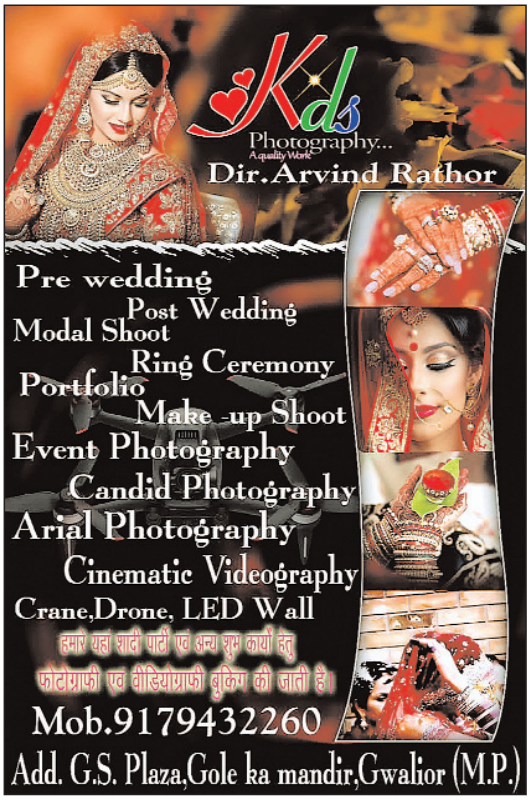

सरकार के संरक्षण में साम्प्रदायिक रंग दे रही है पुलिसः माकपा

भोपाल। श्योपुर और रायसेन की ताजा घटनाओं से साफ है कि पुलिस प्रशासन प्रदेश की भाजपा सरकार के संरक्षण में अपराध को नियंत्रण करने की बजाय हर अपराध को साम्प्रदायिक रंग देकर अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बना कर साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण कर रही है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव जसविंदर सिंह ने उक्त बयान जारी करते हुए कहा है कि कानून व्यस्था बनाने के लिए जरूरी है कि पुलिस अपराधी पर सख्त कार्यवाही करे, ताकि आम नागरिक का कानून व्यवस्था पर भरोसा कायम रहे। किन्तु जब पुलिस ही साम्प्रदायिक तत्वों के दबाव में अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाता है तो इससे समाज में असुरक्षा और अलगाव का वातावरण बनता है। माकपा नेता ने कहा है कि श्योपुर और रायसेन में दोनों ही जगह विवाद समाज के वंचित तबकों आदिवासियों और मुस्लिम समुदाय में हुआ। प्रशासन की कार्यवाही ऐसी होनी चाहिए थी कि दोनों समुदायों में अलगाव और असुरक्षा की भावना खत्म होती। मगर मनुवादी तत्वों के दबाव में प्रशासन ने दोनों ही जगह एक तरफा कार्यवाही की है। श्योपुर में तो अपराधियों के गिरफ्तार हो जाने के बाद भी बजरंग दल और आरएसएस के दबाव में अल्पसंख्यक समुदाय के लोगो के मकानों को तोड़ दिया गया है, जबकि यह मकान अपराधियों के नहीं उनके पिता के हैं। उन्होंने कहा कि रायसेन में जब आदिवासी समुदाय की भीड़ अल्पसंख्यक समुदाय के गांव पर हमला कर दुकानों को जला देती है, तब अल्पसंख्यक समुदाय के लोग सुरक्षा के बाहर आते हैं और इसलिए टकराव में दुर्भाग्य से एक व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है और दोनों ही पक्षों के लोग घायल हो जाते हैं, तब भी मुख्यमंत्री सिर्फ एक समुदाय के लोगों से मिलते हैं और गिरफ्तारी भी अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की होती है तथा इसके बाद भी पुलिस तीन लोगों के घर तोड देती है। माकपा नेता ने कहा है कि पुलिस की पक्षपातपूर्ण कार्यवाही भाजपा और संघ के साम्प्रदायिक एजेंडे को तो आगे बढा सकती है मगर प्रदेश में न तो कानून का राज स्थापित कर सकती है और न ही प्रदेश के साम्प्रदायिक सदभाव की रक्षा कर सकती है।

सर्वब्राह्मण समाज का होली मिलन समारोह संपन्न

मुरैना। उप्रैती ब्राम्हण समाज के द्वारा मृगनयनी गार्डन में सर्वब्राम्हण समाज का होली मिलन समारोह सैकडों विप्र बंधुओं की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ, जिसमें मुख्यातिथि मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री एवं पूर्व सांसद अनूप मिश्रा पूर्व मंत्री मध्यप्रदेश एवं वर्तमान में मंत्री दर्जा प्राप्त गिर्राज डंडोतिया ग्वालियर के युवा एवं मध्यप्रदेश के लोकप्रिय विधायक प्रवीण पाठक, दिमनी के पूर्व विधायक बलबीर सिंह डंडोतिया, आगरा से पधारे उप्रेती समाज के बरिष्ठ हाकिम उप्रेती, युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द दुबे धौलपुर, विप्र एकता मंच के दीनदयाल शर्मा, राजस्थान श्रीमती जया चतुर्वेदी पूर्व मंडी अध्यक्ष रीता पाठक, श्रीमती उमा शर्मा, डॉ क्षमा कौशिक, श्रीमती अपर्णा अवस्थी, मनीषा भारद्वाज, उप्रेती ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष राजेन्द प्रसाद शर्मा, बी के शर्मा, रामदत्त शर्मा, गनपत शर्मा सहित कई बरिष्ठजन उपस्थित थे। कार्यक्रम में पत्रिका का भी विमोचन किया गया व अतिथियों को शॉल और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया उसके बाद सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजक मध्यप्रदेश प्रांतीय उप्रेती ब्राम्हण समाज था सहयोगी संगठन ब्राम्हण अंतर्राष्ट्रीय संगठन ट्रस्ट मुरैना था। कार्यक्रम में संजय शर्मा, पार्षद प्रेमकांत शर्मा, प्रदीप शर्मा, रमाकांत शुक्ला, राजेश मिश्रा, पिंटू राजौरिया, जीडी उप्रैती, देवेश शर्मा, सत्यनारायण शर्मा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतुल शर्मा सिंगर के द्वारा होली के रंग भरे गाने गाये, जिसके बीच सभी ब्राम्हण बंधुओं ने फूलों की होली खेली।

अंबेडकर जी की मूर्ति के मामले में कलेक्टर ने दिया आश्वासन

अजय खंगार ब्यूरो दैनिक पुष्पांजली टुडे

टीकमगढ़। जिले के पलेरा ब्लॉक में मामला सामने आया था जहां पर मूर्ति को लेकर राजनीति गरमाई हुई थी सूत्रों की जानकारी के अनुसार बीती 18 मार्च रात्रि पलेरा पर एक स्थान पर अंबेडकर जी की मूर्ति स्थापित की जाती है और सुबह वह चबूतरा क्षतिग्रस्त पाया जाता है नेस्तनाबूद कर दिया गया है जिसके बाद राजनीति शुरू हो जाती हैं वही जब इस मामले में एसडीएम से बात की गई उनके द्वारा बताया गया है की जिस स्थान पर वह मूर्ति रखी गई थी वहां पर एक फव्वारे का निर्माण किया जाना था लेकिन ठेकेदार द्वारा लेआउट से हटके उस स्थान को चबूतरे के आकार दे दिया गया था और किसी ने उस पर अंबेडकर जी की मूर्ति रख दी गई थी लेकिन इसके पूर्व ठेकेदार को नोटिस जारी किया गया था उसके द्वारा जो निर्माण किया गया है वह गलत है और उसे तोड़ने का आदेश दिया गया था यह आदेश चार-पांच दिन पहले दिया जा चुका था आदेश के बाद चबूतरा तोड़ दिया गया है लेकिन यह मूर्ति किसने रखी थी और मूर्ति कहां गई यह भी एक सवाल बना हुआ है सूत्रों द्वारा बताया गया है कि अंबेडकर जी की मूर्ति रखने के लिए समाज के लोगों द्वारा परमिशन ली जा रही इसी के चलते यह घटना सामने आई

है और मूर्ति पर राजनीति शुरू हो गई है जबकि अधिकारियों का कहना है कि उसे स्थान पर फव्वारे का निर्माण होना था ना कि वहां पर कोई मूर्ति की स्थापना अधिकारी द्वारा अपील की गई है की कोई भी किसी के बहकावे में ना आए इसके बाद संगठनों द्वारा मूर्ति को नियत स्थान से जाने का विरोध किया गया और आज राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद नई दिल्ली द्वारा एक ज्ञापन सौंपा गया है इसमें बताया गया है कि जो कृत्य हुआ है वह गलत है और उसमें दोषियों पर जल्द कार्यवाही होनी चाहिए पूरा मामला आज टीकमगढ़ सर्किट हाउस में चर्चा का विषय बना रहा यहां पर परिषद के लोग और जिला प्रशासन से कलेक्टर एसपी के बीच में घंटो तक बातचीत होती रही जिसके बाद टीकमगढ़ कलेक्टर द्वारा मामले में परिषद को आश्वासन दिया है जिसके चलते परिषद द्वारा उनके आश्वासन पर विश्वास कर आगे उग्र आंदोलन ना करने का भरोसा दिया है अभी फिलहाल मामला शांत बना हुआ है परिषद द्वारा बताया गया है कि उक्त स्थान पर बाबा अंबेडकर साहब की मोती ही स्थापित की जाएगी इसी आश्वासन पर इस मामले में शांति बनाई गई है यदि प्रशासन द्वारा मूर्ति स्थापित नहीं कराई जाती तो आगे उग्र आंदोलन किया जाएगा इस दौरान अनुसूचित जाति जनजाति के आयोग के सदस्य प्रदीप अहिरवार कांग्रेस नेता पंकज अहिरवार जिला पंचायत उपाध्यक्ष दिग्विजय सिंह गौर अमु राजा कोमल चंद अहिरवार प्रदेश महासचिव राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद नई दिल्ली स्वतंत्र यादव सैयद मोहम्मद शफी शाह एवं परिषद के लोग काफी संख्या में मौजूद रहे।

गणगौर पर्व धूमधाम से मनाएगा सीरवी समाज, कुक्षी का गणगोर पर्व पूरे प्रदेश में प्रसिद्ध है

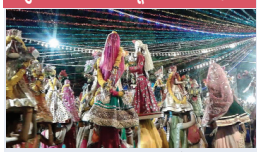

पुष्पांजली टुडे/नारायणलाल सैणचा

कुक्षी ।–धार मध्य प्रदेश के मालवा निमाड़ में मनाया जाने वाला प्रसिद्ध लोक पर्व गणगौर इस वर्ष सीरवी समाज बड़ी धूमधाम से मनाएगा। पिछले 2 वर्षों से कोरोना महामारी के कारण गणगोर पर्व को सीमित रूप से मनाया जा रहा था। इस वर्ष यह पर्व बड़ी उत्साह, उमंग के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर सीरवी समाज कुक्षी की बैठक नवनिर्मित मांगलिक भवन में आयोजित की गई।यह जानकारी देते हुए समाज के प्रांतीय महासचिव और सीरवी समाज कुक्षी के अध्यक्ष कांतिलाल गहलोत ने बताया कि सीरवी समाज की आस्था का प्रतीक गणगौर पर्व कुक्षी सहित आसपास के गांव में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है सीरवी समाज इस पर्व को दीपावली की तरह मनाते हैं। कई दिनों पहले से ही घरों में साफ-सफाई रंगाई पुताई कर विशेष तैयारी की जाती है। पर्व के दौरान लोगों में खासा उत्साह रहता है। कुक्षी में गणगौर माता और ईश्वर जी की 200 कास्ट प्रतिमाएं हैं।विशेष पोशाक पहनाते हैं पर्व के दौरान गणगोर माता और ईश्वर जी के रथों को रोजाना विशेष पोशाके पहनाते हैं। प्रतिदिन शाम को सामूहिक गणगौर नृत्य क्या जाता है। पर्व के अंतिम दिन नगर के जवाहर चौक (कचहरी चौक) में गणगौर माता का विशाल चल समारोह निकला जाता है। कचहरी चौक में विशेष नृत्य किया जाता है। जिसे देखने क्षेत्र के आसपास से हजारों ग्रामीण पहुंचते हैं।

महाकाल मंदिर में किन्नरों ने किया गंदा डांस, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में दो किन्नरों की वजह से बवाल मच गया है. इन किन्नरों ने महाकाल मंदिर में अश्लील डांस का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया. अब यह वीडियो वायरल हो गया है. एक श्रद्धालु ने ये अश्लील वीडियो देखने के बाद महाकाल पुलिस थाने में किन्नरों के खिलाफ शिकायत की. इसके बाद पुलिस ने आरोपियों पर एफआईआर दर्ज कर ली। हजारों श्रद्धालु रोज महाकाल मंदिर के दर्शन करने उज्जैन पहुंचते हैं। जैसे ही ये भक्त मंदिर से बाहर निकलते हैं तो किन्नर उन्हें घेर लेते हैं और परेशान करते हैं।

राजस्थान प्रदेश माली (सैनी) महासभा रजि. ने होली महोत्सव मनाया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा रजि. की अजमेर युवा कार्यकारिणी का युवा होली महोत्सव का आयोजन डी.सी फार्म गढ़ी मालियान पर हुआ,माली महासभा के अजमेर शहर युवा अध्यक्ष दिलावर चौहान ने बताया की इस युवा होली महोत्सव में सम्पूर्ण अजमेर जिले के युवाओं ने भाग लिया,इस कार्यक्रम में अजमेर शहर की उत्तर एवं दक्षिण विधानसभा के अध्यक्षों द्वारा कार्यकारिणी का विस्तार कर सभी पदाधिकारियो की महासभा को मज़बूत करने की शपथ दिलाई गई इसके उपरांत सभी ने फूलो से होली खेल फाग संगीत पर हर्षोउल्लास के साथ महोत्सव मनाया इस कार्यक्रम में राजस्थान प्रदेश माली (सैनी) महासभा (रजि.) के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष ताराचंद गहलोत, पूर्व महापौर धर्मेंद्र गहलोत,युवा प्रदेश अध्यक्ष नवीन कछावा, राष्ट्रीय महात्मा फुले जाग्रति मंच अध्यक्ष पूनम चंद

मारोठिया,महासभा महासचिव महेश चौहान,वैवाहिक समिति अजमेर अध्यक्ष घीसु गढ़वाल,प्रदेश सचिव हेमराज सिसोदिया, देहात अध्यक्ष राजेंद्र महावर, शहर अध्यक्ष चेतन सैनी,शिक्षक संघ अध्यक्ष माखन लाल मारोठिया,प्रदेश सचिव सचिव कैलाश चौहान,पार्षद नरेंद्र तूनवाल,पार्षद एवं प्रदेश महिला उपाध्यक्ष सुनीता चौहान, पार्षद भावना चौहान, पूर्व पार्षद संतोष मौर्य,माली संस्थान अध्यक्ष राजेश भाटी,प्रदीप कछावा,पृथ्विराज सांखला,हेमेंद्र सिंगोदिया, रविराज माली, नवीन महावर, राजेश पँवार,खेमचंद महावर सहित सैंकड़ों समाज बंधुओ ने कार्यक्रम में भाग लिया

विधानसभा में धरमजीत सिंह ने मांगा सिम्स के लिए नया भवन, शैलेष ने अस्पतालों के ऑडिट की कही बात

अश्वनी अवस्थी ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

रायपुर। विधानसभा में बजट सत्र के दौरान सोमवार को अनुदान मांग पर चर्चा हुई. जेसीसीजे विधायक धरमजीत सिंह ने सिम्स के लिए नए भवन की मांग की, वहीं कांग्रेस विधायक शैलेष पांडेय ने कोरोना के दौरान इलाज करने वाले सभी अस्पताल के ऑडिट कराने की मांग की जे सी सी जे विधायक धरमजीत सिंह ने कहा कि सरकार ने जो घोषणाएं की वो आज भी अधूरी है. कोरोना से मृत्यु और मुआवजे की गलत जानकारी दी गई है. प्रदेश में कई मेडिकल कॉलेज अब तक खुल नहीं पाए हैं. वहीं समग्र विकास के तहत 2021-22 के लिए 200 करोड़ रुपए का प्रावधान था, लेकिन खर्च केवल 80 करोड़ रुपए हुआ, और इस वित्तीय वर्ष भी 200 करोड़ का बजट प्रावधान है

शिक्षा जीवन की जबसे अमूल्य धरोहर है इसमें किसी का बंटवारा नही होता: थापक

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गोरमी। नगर के वार्ड नं 13 में गौतम ऋषि कोचिंग सेंटर में सेना एवम अन्य पुलिस बल में नोकरी पाने में सफल छात्रों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक एवम विशेष अतिथि के रूप में पूर्व नगरपंचायत अध्यक्ष दलवीरसिंह तोमर बरिष्ठ नेता गोकुल सिंह परमार जयवीर पुरोहित निर्मल आर्य पूर्व पार्षद मोती खान एवम अध्यक्षता जिला मंत्री राजकुमात जैन ने की कार्यक्रम के प्रारम्भ में अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम के आयोजक रहीश खान ने किया इसके बाद तिब्बत पुलिस बल में चयनित पवन बरुआ का सभी अतिथियों ने माला पहनाकर सम्मान किया।इस अबसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक ने उपस्थित छात्रों से कहाँ की जीवन मे शिक्षा से बड़ी कोई पूंजी नही है इस पूंजी में किसी का बंटवारा नही होता है इस लिये जीवन मे शिक्षा का बड़ा महत्व है इस लिये युवाओं को हथियार और मोबाइल की जगह कलम हाथ मे लेनी होगी।इस अबसर पर बरिष्ठ नेता दलवीरसिंह तोमर गोकुल सिंह परमार जयवीर पुरोहित निर्मल आर्य एवम कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला मंत्री राजकुमार जैन ने भी युवाओं को शिक्षा का महत्व अलग अलग तरीके से बताया और कहा कि आज भिण्ड जिले से डकैत नही आई ए इस ओर आई पीएस निकलना चाहिये मेडिकल में गोरमी सर्कल से सफल छात्रों एवम छात्राओं को भी सभी अतिथियों ने बधाई दी और कहा कि सभी लोग दो रोटी कम खाने की आदत डालें लेकिन अपने अपने बच्चो को जरूर पढ़ाये।कार्यक्रम का सफल संचालन अनीश खान ने किया और अंत मे आभार प्रगट कार्यक्रम के आयोजक रहीश खान ने किया। इस अबसर पर रज्जन भदौरिया रणवीर परमार सहित बड़ी संख्या में युवा मौजूद थे।

पदोन्नति को लेकर सपाक्स करेगा आंदोलन तेज, बैठक मातोश्री में आयोजित

अप्रैल 2006 के बाद पदोन्नति न होने से कर्मचारी नाराज-सपाक्स ज़िला अध्यक्ष संजय पाराशर बने सपाक्स के जिला नोडल अधिकारी, सचिव बने राजकुमार सरैया

अनिल कुशवाह ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी:- म.प्र. में शीघ्र ही पदोन्नति किए जाने की मांग को लेकर संघर्षरत सपाक्स की जिला इकाई की बैठक गत दिवस मातोश्री होटल में प्रदेशाध्यक्ष के.एस. तोमर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन की जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। काफी लम्बे समाय से म.प्र. में पदोन्नति न होने पर कर्मचारी वर्ग नाराज है शीघ्र ही सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अधीन पदोन्नति किए जाने की मांग को लेकर आंदोलन करने के लिए सपाक्स ने कर्मचारियों को संगठित करने का कार्य तेज कर दिया है।

सामान्य पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी संस्था के जिला नोडल अधिकारी मनोज निगम एवं जिलाध्यक्ष कौशल गौतम ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि सपाक्स के प्रदेशाध्यक्ष के एस तोमर की अध्यक्षता में एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष इंजीनियर देवेन्द्र सिंह भदौरिया, प्रदेश आईटी सेक्टर प्रभारी प्रवीण तिवारी की उपस्थिति में सपाक्स की बैठक गत दिवस मातोश्री होटल में आयोजित हुई। जिसमें प्रदेशाध्यक्ष के.एस. तोमर द्वारा जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए संजय पाराशर को शिवपुरी जिले का नोडल अधिकारी एवं जिला सचिव के पद पर राज कुमार सड़ैया का मनोनयन किया है। जिस पर कर्मचारियों ने हर्ष व्यक्त किया है। जिला सचिव बनने पर राजकुमार सड़ैया ने सपाक्स का आभार

प्रकट किया है तथा विश्वास दिलाया है कि वे सदैव संगठन व कर्मचारी हित में पूर्ण ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ कार्य करते रहेंगे। प्रदेशाध्यक्ष के.एस. तोमर ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कह कि म.प्र. में शीघ्र ही पदोन्नति किए जाने की आवश्यकता है कर्मचारी बिना पदोन्नत हुए ही बड़ी संख्या में सेवानिवृत हो रहे हैं। जिसको लेकर सपाक्स की मांग है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार सभी योग्य कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ दिया जाए। बैठक में जिला नोडल अधिकारी मनोज निगम, जिलाध्यक्ष कौशल गौतम, महेन्द्र तोमर जिला क्रीड़ाधिकारी, अंगद सिंह तोमर बीआरसीसी, अनिल चैबे प्राचार्य, विमल श्रीवास्तव सहायक संचालक, मनोज पाठक, संजय पाराशर, कार्यवाहक अध्यक्ष यादवेन्द्र चैधरी, प्रदीप अवस्थी, राजकुमार सरैया, सास के जिलाध्यक्ष पवन अवस्थी, अरविन्द सरैया, जितेन्द्र गुप्ता, सदाशिव भार्गव, बसन्त शर्मा, ओपी शर्मा, प्रदुम्न भार्गव, पवन शर्मा, विपिन पचौरी, बृजेन्द्र भार्गव, शरद निगम, रामकृष्ण रघुवंशी, राजेश पाठक, मनोज शर्मा, रूपेश श्रीवास्तव, जाउद्दीन कुरैशी, नरेश शर्मा, उत्कर्ष भार्गव आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

एमएलसी चुनाव नामांकन के दौरान सपा और भाजपा समर्थक आपस मे भिड़े

सपा प्रत्याशी का नामांकन पत्र छीनने का लगा है आरोप

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर

एटा। नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन कलेक्ट्रेट में सपा प्रत्याशी उदयवीर सिंह का नामांकन पत्र छीनने का आरोप लगा है। जिसके बाद भाजपा और सपा समर्थक आमने-सामने आ गए। एटा, कासगंज, मथुरा, मैनपुरी के स्थानीय प्राधिकारी क्षेत्र एमएलसी सदस्य विधान परिषद चुनाव के लिए सोमवार को नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन कलेक्ट्रेट में भाजपा और सपा समर्थक भिड़ गए। जिस के बाद दोनों ओर से जमकर लात-घूसे चलने लगे। सपा प्रत्याशी उदयवीर सिंह का नामांकन पत्र छीनने का आरोप सपा ने भाजपा पर लगाया गया है। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के सामने ही मारपीट होने लगी। एमएलसी चुनाव प्रक्रिया के तहत आज नामांकन का आखिरी दिन है। मथुरा-कासगंज-मैनपुरी और एटा के स्थानीय प्राधिकारी क्षेत्र के एमएलसी चुनाव के लिए 15 मार्च से नामांकन प्रक्रिया शुरू की गई थी। इस सीट पर दो सदस्य चुने जाते हैं। 15 और 16 मार्च को किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन पत्र भरकर जमा नहीं किया था। जबकि 17 से 19 तक होली और 20 को रविवार का अवकाश रहा था। इसे देखते हुए नामांकन की तिथि 21 मार्च तक बढ़ाई दी गई थी।

स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन के तहत रिक्त दो सीटों हेतु कुल पांच प्रत्याशियों ने किया नामांकन

ब्यूरो सोनू कुमार माथुर पुष्पांजली टुडे

एटा। अपर जिलाधिकारी प्रशासन आलोक कुमार ने सूचित किया है कि स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन हेतु दो सीटों से संबंधित कुल पांच प्रत्याशियों जिनमें दो भाजपा, दो सपा एवं एक निर्दलीय द्वारा नामांकन किया गया। जिसके तहत मथुरा-एटा-मैनपुरी स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र अरविंद प्रताप की पदावधि समाप्त होने के परिपेक्ष्य में रिक्त होने वाले स्थान की पूर्ति हेतु राकेश यादव पुत्र मुलायम सिंह यादव (समाजवादी पार्टी), आशीष कुमार यादव पुत्र रमेश यादव (भारतीय जनता पार्टी), अनुज कुमार पुत्र रामदेव सिंह (सुभास पार्टी) तथा मथुरा-एटा-मैनपुरी स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र उदयवीर सिंह की पदावधि समाप्त होने के परिपेक्ष्य में रिक्त होने वाले स्थान की पूर्ति हेतु उदयवीर सिंह (समाजवादी पार्टी), ओमप्रकाश पुत्र शिवलाल (भारतीय जनता पार्टी) ने रिटर्निंग ऑफीसर अंकित कुमार अग्रवाल के समक्ष प्रस्तुत होकर नामांकन किये। नामांकन के अवसर पर माठ प्रेक्षक नागेन्द्र प्रताप, सहायक निर्वाचन अधिकारी सुनील कुमार सिंह, एडीएम प्रशासन आलोक कुमार, एएसपी धनंजय सिंह कुशवाह, एडीईओ सुधाकर मैथिल आदि मौजूद रहे।

टाइगर सिटी में दफन मिला टाईगर का शव

रितेश कटरे ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

बालाघाट जिला यूं तो टाइगर सिटी के नाम से मशहूर है। लेकिन यहां टाइगर सुरक्षित नहीं हैं। क्षेत्र में फैली बदबू और नाले में नजर आते अंगों की पड़ताल से वन अमले को समझते देर नहीं लगी कि हो न हो यह वन्य प्राणी के शिकार का मामला है। आनन फानन में चौकीदार और बीटगार्ड से लेकर रेंजर और सी सी एफ तक वन विभाग का अमला ग्राम रट्ठा के सूखे नाले में पहुंच चुका था। पशु चिकित्सा विभाग की ओर से सदा की भांति जिला पशु चिकित्सालय से जाने माने वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ घनश्याम परते भी अपने साथी चिकित्सक असिस्टेंट सर्जन डॉ पंकज पुशाम के साथ अपने औजारों के साथ घटना स्थल पर पहुंच चुके थे। लगभग 2 घंटे चले इस जांच अभियान से एक बात सामने आई वो ये कि यह घटना लगभग दो हफ्ते पुरानी है तथा नख दांत चमड़े आदि के यथा स्थान पर सुरक्षित पाए जाने से प्रतीत होता है कि अपराधियों का प्रमुख उद्देश्य शेर का शिकार करना नहीं था। खैर मौत के कारणों का स्पष्ट नहीं होने से कारण विसरा फॉरेंसिक लैब भेज दिए गए हैं। जिसके खुलासा होने के पश्चात् ही आगे कुछ कहा जा सकता है।

महिलाओं को अपने संस्कार और संस्कृति को नहीं भूलना चाहिए : उषा पशीने

रितेश कटरे ब्यूरो चीफ पुष्पांजली टुडे

बालाघाट । प्रतिवर्ष 8 मार्च के दिन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। ये दिन महिलाओं के सम्मान में समर्पित है। महिलाओं के योगदान की वैसे तो हर दिन ही सराहना की जानी चाहिए लेकिन फिर भी उनके योगदान और सम्मान में एक खास दिन निर्धारित किया गया है, वो है 8 मार्च का दिन। महिलाओं को अपने संस्कार और संस्कृति को नहीं भूलना चाहिए यह बात अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पखवाड़े के आयोजन के दौरान दिनांक 15 मार्च को डा पशिने के निवास पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्रीमती उषा पशीने के द्वारा कही गई। उन्होंने उपस्थित सभी महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को हर वो अधिकार प्रदान किए जाए जो एक सामान्य नागरिक को दिए जाते हैं। भेदभाव ही उनके पीछे रहने की सबसे बड़ी वजह है। हमें अपने संस्कार और को नहीं भूलना चाहिए, साथ ही सभी को आपसी भाईचारे के साथ सभी धर्म के लोगों को रहना चाहिए। 8 मार्च को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को सभी एकजुट होकर मनाते हैं, हमारे देश में ऐसी महिलाओं को याद किया जाता है जिन्होंने अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

इन महिलाओं की रहीं उपस्थिति

उक्त कार्यक्रम में शामिल सभी महिलाओं को सम्मानित किया गया तथा बारी बारी से सभी ने महिलाओं के हक और अधिकार की बात रखी। इस दौरान ऊषा पशीने अध्यक्ष, सुशीला दूगड़, सुशीला राय, मीणा बिलगैर, अनीता अग्रवाल, सरिता श्रीवास्तव, उमा तिवारी, रेखा पल्हारे, तिवारी , अंजू पशीने, अंजलि रेंच, भगवती करहि, खान एवं पूनम आसटकर उपस्थित रहे।

पुलिस थाना सिविल लाइन एवं थाना यातायात मुरैना की संयुक्त कार्यवाही में अवैध शराब बरामद

गौरव शर्मा पुष्पांजली टुडे

मुरैना । अंग्रेजी शराब की 14 पेटी मात्रा 126 वल्क लीटर कुल शराब व वाहन शियाज कार कीमती 09 लाख रूपये की जब्त कर 01 आरोपी को किया गया गिरफ्तार। दिनांक 21.03.2022 को देवरी घडियाल के सामने एबी रोड पर थाना सिविल लाइन एवं यातायात पुलिस की संयुक्त चैकिंग चल रही थी तभी मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि धौलपुर तरफ से एक

सियाज गाडी में अवैध शराब भरकर मुरैना तरफ जा रही है। उक्त सूचना पर से धौलपुर तरफ से आने वाले वाहनों को चैक किया तो मुखबिर द्वारा बताये अनुसार एक सियाज कार को रोककर चैक किया तो उसमें अवैध अंग्रेजी शराब की 14 पेटी कुल 126 वल्क लीटर मय वाहन शियाज कार क्र. डीएल 4 सीएएस 9269 के कुल कीमती 09 लाख /- रूपये को घटनास्थल देवरी घडियाल के सामने एबी रोड पर आरोपी के कब्जे से मौके पर जब्त कर विधिवत कार्यवाही की गयी उक्त कार्यवाही में निरीक्षक विनय यादव, थाना यातायात प्रभारी सूबेदार अखिल सिंह, सूबेदार रोहित यादव, उनि. शिवानी जादौन, संतोष बाबू गौतम, उनि. रामकुमार सिंह गौतम सउनि. आकिब बेग, प्रआर.संतोष कटारे, प्रआर. श्याम सिंह, आर.संजय,आर. बजेश, आर. सचिन, आर.विष्णु मावई की अहम भूमिका रही।

21 से 27 मार्च 2022 तक होंगी 'स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा'

रितेश कटरे ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

न्यूज बालाघाट

समुदाय के स्वास्थ्य एवं पोषण विषयों पर भागीदारी एवं ÷सुपोषित भारत÷ के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रदेश में 21 से 27 मार्च 2022 तक ÷स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा÷ के आयोजन होंगे। स्पर्धा का उद्देश्य 0 से 6 वर्ष की आयु वर्ग के पोषण स्तर में सुधार लाना और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण से संबंधित मुद्दों के साथ बड़े पैमाने पर समुदाय का भावनात्मक जुड़ाव पैदा करना है। साथ ही आँगनवाड़ी सेवाओं से छूटे क्षेत्र के 6 वर्ष तक की आयु वर्ग के बच्चों को भी अभियान में सम्मिलित कर समाज के सभी वर्गों और क्षेत्रों में बच्चों के पोषण के प्रति परिवार एवं समुदाय को जागरूक करना एवं स्वस्थ रहने के लिए परिवार एवं बच्चों में स्पर्धा की भावना को बढ़ावा देना है। संचालक महिला-बाल विकास डॉ. रामराव भोंसले ने बताया कि केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा लिए गए निर्णय अनुसार प्रदेश के सभी जिलों के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाली स्पर्धा आँगनवाड़ी केन्द्र, पंचायत, स्कूल, विशेष कैम्प, स्वास्थ्य केन्द्र, घर आदि में की जाएगी। इसकी प्रविष्टि पोषण ट्रेकर एप के ऑनलाइन मॉड्यूल पर दर्ज की जाएगी। स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा में प्रथम 2 दिवस सुबह 9 से शाम 5 बजे के मध्य आँगनवाड़ी पर ही बच्चों का शारीरिक माप किया जायेगा। इसके अतिरिक्त 23 से 27 मार्च तक प्रतिदिन सुबह 9 बजे से 1 बजे तक केन्द्र स्तर पर बच्चों का शारीरिक माप किया जायेगा। टोले, मजरे, अनकवर्ड क्षेत्र के छूटे हुए बच्चों का आँगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा शारीरिक माप हितग्राही के घर जाकर लिया जायेगा। शहरी क्षेत्र जो आँगनवाड़ी केन्द्र के बाहर हैं, उनमें प्रत्येक कॉलोनी/हाउसिंग सोसायटी में घर-घर जाकर जन्म से 6 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों का शारीरिक माप लिया जायेगा।

रासेयो राज्य स्तरीय नेतृत्व शिविर में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर लौटे स्वयंसेवकों को महाविद्यालय प्राचार्य द्वारा किया गया सम्मानित

राकेश परिहार पुष्पांजली टुडे

पिछोर, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर का राष्ट्रीय सेवा योजना राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर 7 मार्च से 13 मार्च तक शिवपुरी के सतनवाड़ा में लगा जिसमें छत्रसाल महाविद्यालय पिछोर शिवपुरी के दीपक पाल रितिक गुप्ता सौम्या गर्ग ईशा पुरोहित श्रेया गुप्ता ने मेडल प्रमाण पत्र व बेच प्राप्त कर महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया शिविर में परियोजना कार्य में स्वयं सेवकों द्वारा तालाब गहरीकरण मतदाता जागरूकता बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ बाल संरक्षण को लेकर गांव में जागरूकता अभियान चलाया व राष्ट्रीय सेवा योजना की सूत्र से लेकर शत-प्रतिशत की यात्रा से अवगत हुए एवं बौद्धिक

सत्र के दौरान स्वयंसेवकों को युवा सांसद जिला न्यायधीश पुलिस अधीक्षक कुलपति माउंट एवरेस्ट युवा खेल मंत्रालय युवा संसद एनएसएस राज्य अधिकारी आदि का बौद्धिक सुनने व इतिहास के बारे में जाने का अवसर मिला और स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम मैं रंगारंग प्रस्तुतियां दी व अपने महाविद्यालय का नाम गोराबित किया महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एसएस गौतम व कार्यक्रम अधिकारी डॉ कमल किशोर यादव एवं महाविद्यालय परिवार द्वारा शिविर से लौटे फाइंड सेवकों के कार्य की सराहना व उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की

जाम में वीरांगना रानी अवंतीबाई का मनाया गया शहादत दिवस

वीरांगना का शौर्य इतिहास के सुनहरे अक्षरों में अलंकृत - गौरीशंकर बिसेन अध्यक्ष पिछड़ा आयोग

रितेश कटरे ब्यूरो चीफ पुष्पांजली टुडे

बालाघाट । 20 मार्च 2022 को बालाघाट विधानसभा के ग्राम जाम, लालबर्रा में स्वतंत्रता संग्राम की सूत्रधार महान वीरांगना रानी अवंतीबाई का 161 वां शहादत दिवस मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष व विधायक श्री गौरीशंकर बिसेन की मुख्य आतिथ्य, प्रदेश शासन के आयुष एवं जल संसाधन मंत्री श्री रामकिशोर नानो कावरे व पूर्व विधायक श्री रमेश दिलीप भटेरे की प्रमुख अतिथि और ग्रामीण जनों, सामाजिक जनों, जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थित में समर्पण भाव से मनाया गया।

कार्यक्रम में वीरांगना रानी अवंती बाई की स्वतंत्रता संग्राम क्रांति की अमर गाथा का पावन स्मरण कर राष्ट्र सेवा और जनकल्याण का जन संकल्प लिया गया। सर्वप्रथम स्थानीय बस स्टैंड जाम में स्थित वीरांगना अवंती बाई की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चन किया गया। इसके पश्चात सर्वस्व अतुलनीय योगदान देने के लिए सामाजिक जनों का स्वागत, सत्कार और सम्मान अतिथियों के हस्ते हुआ। इस अवसर पर मौजूद जनसैलाब ने रानी अवंती बाई अमर रहे! अमर रहे! का गगनभेदी जय घोष किया। इसी कड़ी में प्रबुद्ध जनों ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में शौर्य, अदम्य साहस की प्रतिमूर्ति, वीरांगना रानी अवन्ती बाई का यशोगान किया। वहीं इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए ग्रामीण जनों और सामाजिक जनों का हार्दिक आभार ज्ञापित किया गया। इस दौरान जिला पंचायत श्री सदस्य झामसिंह नागेश्वर, पूर्व मंडी अध्यक्ष श्री सत्येन्द्र दमाहे, श्री योगेश लिल्हारे, जनपद सदस्य श्री अशोक नागपुरे, बाबा नागपुरे, राजेश नागपुरे, सुरेंद्र बलोने, राजीव लिल्हारे, प्रकाश नगपुरे, श्रीमती आशा युवराज ठकरेले, श्रीमती मनीषा लिल्हारे, उत्तम लाल धामडे, पवन नगपुरे, लखन मुंजारे, दुर्गेश बसेने, सुरेश

मुंजारे, तिलकचंद नगपुरे, चरणलाल मुंजारे, शंकर लिल्हारे और लालचंद नगपुरे आयोजक, सहयोगी, सामाजिक जन समेत इत्यादि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जीवन की आहुति देकर दिया बलिदान - गौरीशंकर बिसेन

वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी ने सन 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों से खुलकर लोहा लिया था और अंत में भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने जीवन की आहुति देकर बलिदान दे दिया। वीरांगना के पराक्रम का बखान करते हुए विधायक श्री गौरीशंकर बिसेन ने कहा, वीरांगना ने अपने सीने में तलवार भोंकते वक्त कहा कि ''हमारी दुर्गावती ने जीते जी वैरी के हाथ से अंग न छूए जाने का प्रण लिया था। इसे न भूलना।% उनकी यह बात और शौर्यगान भी भविष्य के लिए अनुकरणीय बनकर भारत के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में अलंकृत हो गई। हमें भी क्रांतीवीर के पदचिन्हों पर चलकर राष्ट्र हित, सर्वज्ञ कल्याण और विकास का जनसंकल्प लेना होगा। यही आजादी की चिंगारी, अमर नायिका को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित होगी।

अंग्रेजों की जड़ें हिला दी - मंत्री श्री कावरे

प्रदेश के आयुष एवं जल संसाधन मंत्री श्री रामकिशोर ÷नानो÷ कावरे ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा, कि 1857 के क्रान्ति काल में सभी देश भक्त राजाओं और जमींदारों ने रानी के साहस और शौर्य की बड़ी सराहना की और उनकी योजनानुसार अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का झंडा खड़ा कर दिया। जगह-जगह गुप्त सभाएं कर देश में सर्वत्र क्रान्ति की ज्वाला फैला दी। रानी ने अपने राज्य से कोर्ट ऑफ वार्ड्स के अधिकारियों को भगा दिया और राज्य एवं क्रान्ति की बागडोर अपने हाथों में ले ली। अपने पराक्रम से अपनी छोटी सी सेना के बल पर अंग्रेजों की बड़ी सेना की जड़ें हिला दी। ऐसी देशभक्त वीरांगना के श्री चरणों में शत-शत नमन।

वीरता की एक मिसाल - रमेश भटेरे पूर्व विधायक

श्री रमेश भटेरे ने प्रेरक प्रसंग में अपनी पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि, वीरांगना अवंतीबाई ने अंग्रेजों से अपने देश की स्वतंत्रता और हक के लिए लड़ी थीं। जब रानी वीरांगना अवंतीबाई अपनी मृत्युशैया पर थीं तो इस वीरांगना ने अंग्रेज अफसर को अपना बयान देते हुए कहा कि ''ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को मैंने ही विद्रोह के लिए उकसाया, भड़काया था उनकी प्रजा बिलकुल निर्दोष है।% ऐसा कर वीरांगना अवंतीबाई लोधी ने हजारों लोगों को फांसी और अंग्रेजों के अमानवीय व्यवहार से बचा लिया। मरते-मरते ऐसा कर वीरांगना अवंतीबाई लोधी ने अपनी वीरता की एक और मिसाल पेश की।

प्रबल प्रताप तोमर का हुआ स्वागत

सेवढ़ा दैनिक पुष्पांजली टुडे

दतिया। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के पुत्र प्रबल प्रताप सिंह तोमर (रघु भैया) का भाजपा जिला सोशल मीडिया प्रभारी श्यामू ठाकुर के निज निवास गोस्वामी मोहल्ला सेवढ़ा में जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान श्री ठाकुर ने शाल श्री फल एवं 51 किलो की माला पहनाई। अगले क्रम में मौजूद समाजसेवा टीम के सदस्यों ने श्री तोमर का तुलादान किया। आतिशबाजी बैंडबाजे के साथ युवा कार्यकर्ताओं ने उनकी आगवानी की। इस अवसर पर पूर्व मण्डल अध्यक्ष सुल्तान खान, कल्याणदास योगी बाबा, सुनील सिंह राठौर, संदीप सिंह भदौरिया, कुलदीप उपाध्याय, गोविंद दास झा, शिवा चौहान देवू राजावत, सुनिल गुप्ता, बातु शिवहरे, अरविंद राणा, सुयश तिवारी, गोलू राजावत, गौरव झडकरिया, रघवीर प्रजापति, जहेंद्र सेंगर, रामप्रकाश प्रजापति, निर्वेद सविता, संदीप रावत, शिवप्रताप चौहान, मयंक झा, आर्यन सविता हबीब खान आदि उपस्थित रहे। इस दौरान श्री तौमर ने कहा कि समाजसेवा के क्षेत्र में श्यामू ठाकुर के नेतृत्व में सेंवढ़ा में जारी कार्य युवाओं को प्रेरणा देने वाला है। वह स्वयं सेंवढ़ा के हित में हर संभव सहयोग के लिए तैयार रहेंगे।

लक्ष्य तय करके कार्य करें, निश्चित सफलता मिलेगीः ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

ग्वालियर।

किसी भी कार्य को करने से पहले अच्छे से सोच विचार कर लक्ष्य तय करें कि हमें क्या करना है, क्या बनना है। पहले आपके लक्ष्य पर लोग हसेंगे मजाक उ?एंगें। आपको निराश नहीं होना है। हमेशा हंसते हुए लक्ष्य को प्राप्त करना है। मेरे लक्ष्य को प्राप्त करने से पहले लोग मुझ पर भी हंसते थे, जिसका नतीजा आपके सहयोग से आपके सामने आपके सेवक के रूप में आज मैं ख?ा हूॅ। उक्ताशय के विचार ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता के उद्घाटन के अवसर पर कही। इस अवसर पर प्रतिभावान खिलाडी श्री रिषभ सिकरवार को 11 हजार रुपए प्रदान करने की घोषणा की। नगर निगम के खेल परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आज ऊर्जा मंत्री श्री तोमर के मुख्य आदित्य में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ भाजपा नेता श्री रामेश्वर भदौरिया ने की। साथ ही उपायुक्त श्री सतपाल सिंह चौहान, श्री एपीएस भदौरिया, श्री अयोध्या शरण शर्मा, श्री सचिन पाल, श्री वीरेंद्र ठाकुर टेक्निकल डायरेक्टर ने अतिथियों का पुष्प स्वागत किया तत्पश्चात निगम के उपायुक्त एवं मॉडल खेल अधिकारी श्री सतपाल सिंह चौहान ने निगम द्वारा वर्ष पर आयोजित कराए जाने वाले खेलों की जानकारी एवं बढ़ाने पर आभार जताया कार्यक्रम का संचालन श्री राजेंद्र उपाध्याय ने किया। प्रतियोगिता में अनेक मुकाबले आज खेले गए जो कि देर रात तक जारी रहे।

धार्मिक आयोजन में शामिल होने के लिए भितरवार के ग्राम जोरा पहुंचे गृहमंत्री डॉ. मिश्रा

डबरा । मध्य प्रदेश सरकार के गृह व जेल मंत्री डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अपने देव स्थान ग्राम जोरा में भगवान सत्यनारायण की कथा के धार्मिक आयोजन में शामिल होने के लिए सोमवार सुबह 11ः00 बजे भितरवार पहुंचे जहां कार्यकर्ताओं ने डॉ मिश्रा का जगह-जगह जोरदार स्वागत किया। इसके पश्चात गृह मंत्री डॉ मिश्रा अपने निजी धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ग्रह ग्राम जोरा पहुंचे जहां धार्मिक आयोजन कार्यक्रम के उपरांत भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से और कार्यकर्ताओं से गृह मंत्री ने मुलाकात की एवं ग्रामीणों की समस्याओं को भी सुना इसके बाद वह सामूहिक भोज कार्यक्रम में शामिल होने के बाद डबरा रवाना हो गए। इस दौरान गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के साथ भाजपा जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा, जिला उपाध्यक्ष डॉ. विवेक मिश्रा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष वेताल कुशवाह, सौरभ दुबे, आदित्य राणा एवम अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

एलआईसी करेगा स्वच्छता अभियान में सहभागिता, निगमायुक्त ने दिलाया संकल्प

ग्वालियर। आज दिनांक 21 मार्च 2022 को भारतीय जीवन बीमा निगम के सिटी सेंटर, ग्वालियर स्थित कार्यालय में स्वच्छता अभियान जागरूकता अभियान के तहत जीवन बीमा निगम के अधिकारियों की बैठक ग्वालियर नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल ने ली। बैठक में आयुक्त श्री कन्याल ने बताया कि ग्वालियर शहर को सफाई के मापदंडों पर उच्च स्थान दिलाने के लिए सभी नागरिकों को अपनी भूमिका का निर्वहन करना होगा। एल आई सी के अधिकारियों को उन्होंने बताया कि हम लोग मिलजुलकर इस मुहिम को आगे ब?एंगे तो निश्चित ही अपने ग्वालियर का नाम रौशन होगा। उन्होंने एल आई सी के द्वारा सामाजिक कार्यों में दिए जा रहे योगदान की सराहना की एवं आग्रह किया कि एल आई सी नगर निगम की डिवाइडर सौंदर्यीकरण, वाल पेंटिंग, पार्क विकसित करने जैसी गतिविधियों में आगे आकर ग्वालियर शहर को खूबसूरत बनाने में अपना योगदान दे। ग्वालियर मण्डल के वरिष्ठ मण्डल प्रबंधक श्री राजीव जौली जी ने आयुक्त महोदय के प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि वे अपने क्षेत्रीय कार्यालय से इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त कर शीघ्र ही सूचित करेंगे। उन्होंने एल आई सी मण्डल कार्यालय के सम्मुख डिवाइडर को खूबसूरत बनाने के लिए शीघ्र ही कार्ययोजना बनाने का भरोसा दिलाया। बैठक में विपणन प्रबंधक श्री ए के सोरेंग सहित सभी अधिकारीगण मौजूद थे।

रोजगार कार्यालय में 24 मार्च को प्लेसमेंट ड्राइव

बेरोजगार युवाओं को नौकरी पाने का सुनहरा मौका

ग्वालियर। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश निर्माण के तहत जिला रोजगार कार्यालय द्वारा यशस्वी अकादमी फॉर टैलेन्ट मैनेजमेंट (पीपीपी) के सहयोग से 24 मार्च को प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया है। इस दिन यह रोजगार मेला प्रातः 11 बजे से गोले का मंदिर-मुरैना लिंक रोड पर गदाईपुरा स्थित रेडीमेड गारमेंट पार्क परिसर में आयोजित होगा। प्लेसमेंट ड्राइव में दो जानी-मानी कंपनियां कैम्पस भर्ती करने आ रही हैं।

अशोकनगर जिले में करीला मेला प्रारंभ, बड़ी संख्या में लोग पहुँचे

नागरिकों एवं नृत्यांगनाओं के लिये पुख्ता प्रबंधन

जनसंपर्क विभाग ने लगाई आकर्षक प्रदर्शनी

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मंशा अनुरूप ग्वालियर संभाग के अशोकनगर जिले में पारंपरिक करीला मेला इस वर्ष पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया जा रहा है। मेले में आने वाले नागरिकों को बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराने के साथ ही मेले में आने वाली नृत्यांगनाओं के लिये भी ठहरने की व्यवस्था के साथ-साथ उनकी प्रस्तुति हेतु अलग-अलग स्टेज तैयार किए गए हैं।

प्रदेश के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी राज्य मंत्री श्री बृजेन्द्र सिंह यादव के निर्देशन में भी जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा मेले में व्यापक प्रबंध किए गए हैं। जनसंपर्क विभाग की ओर से भी जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रदर्शित करते हुए आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई है। यह ऐतिहासिक मेला प्रति वर्ष आयोजित होता है। जिसमें हजारों की संख्या में नागरिक पहुँचकर अपनी मन्नतें पूर्ण हों, इसलिये पहुँचते हैं।

संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने करीला मेले की व्यवस्थाओं पर सतत निगरानी रखी और व्यवव्थाओं को चाक-चौबंद कराया।

अशोकनगर जिला प्रशासन द्वारा लाखों की संख्या में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के अनुरूप व्यवस्थाएं की गई हैं। श्रद्धालुओं को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मेला परिसर में पाइप लाइन बिछाकर 20 -20 फीट के अंतराल से परिसर के चारों तरफ टोंटियों के माध्यम से पेयजल की व्यवस्था कराई गई है। साथ ही 300 छोटे तथा 10 बड़े टैंकर भी पेयजल सप्लाई के लिए उपलब्ध रहेगें।

आवागमन को सुगम एवं सुचारु बनाए रखने के लिए पहुंच मार्ग का डामरीकरण कराया गया है। पुल, पुलियों का निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया । अस्थाई 300 शौचालयों का निर्माण तथा दो स्नानागार की व्यवस्था पानी सहित करवाई गई है । अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाए जाने तथा मेला के पूर्व छापामार कार्यवाही किए जाने पर विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की गई है। मेला परिसर में बधाई राई नृत्य करने वाली नृत्यांगनाओं के लिए पृथक पृथक चबूतरो पर नृत्य किए जाने की व्यवस्था कराई गई है। इन स्थानों पर प्रकाश एवं पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था कराई गई है। नृत्यांगनाओं के लिए चबूतरों के समीप 10-10 बड़े टेंट लगाकर विश्राम स्थल की व्यवस्था भी की गई है।

मेला परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए 150 सीसी टीवी कैमरे तथा दो ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी । सुरक्षा व्यवस्था के लिए 2000 महिला एवं पुरुष जवानों की तैनाती की गई है । खोया पाया केंद्र भी मेला में संचालित रहेगा, जिसके माध्यम से बिछड़े हुए लोगों को मिलाया जा सके । मेला में वाहनों के लिए पार्किंग व्यवस्था आवागमन स्थलों पर की गई है। साफ सफाई व्यवस्था के लिए जिले की समस्त निकायों के माध्यम से कराई जा रही है । साथ ही मेला परिसर में लाइटिंग, बेरीकेटिंग,गेट तथा दुकानों की व्यवस्था व्यवस्थित रूप से कराई गई है ।मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जिला प्रशासन द्वारा पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य कराए जा कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई गई है।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने किया काशी बाबा सिद्ध स्थल पर मेले का शुभारंभ

कहा संगीत सम्राट तानसेन की नगरी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के प्रयास जारी

ग्वालियर। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह सोमवार को संगीत सम्राट तानसेन की जन्मस्थली बेहट पहुँचे। इस दौरान उन्होंने काशी बाबा सिद्ध स्थल पर आयोजित हो रहे मेले का शुभारंभ किया। साथ ही काशी बाबा जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने सिद्ध स्थल पर पूजा-अर्चना कर ग्वालियर जिला सहित संपूर्ण प्रदेश वासियों की सुख-समृद्धि के लिए कामना की। इस अवसर पर राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि संगीत महर्षि तानसेन की जन्मस्थली बेहट को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने के लिये पूरी शिद्दत के साथ प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा भदावना, बेहट, काशी बाबा सिद्ध स्थल, देवग? व इत्यादि पवित्र स्थलों को जो?ते हुए ऐसा टूरिस्ट सर्किट बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे ग्वालियर होकर ओरछा की ओर जाने वाले पर्यटक बेहट सहित आसपास के स्थलों को देखते हुए गुजरें।

बीएड एवं एमएड प्रशिक्षणार्थियों को शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार का काम सौंपें : आयुक्त श्री सक्सेना

संभाग आयुक्त की अध्यक्षता में हुई शिक्षा महाविद्यालय विकास समिति की बैठक

ग्वालियर। शासकीय शिक्षा महाविद्यालय ग्वालियर की महाविद्यालय विकास समिति की बैठक सोमवार को संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना की अध्यक्षता में नवीन आयुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित हुई। बैठक में महाविद्यालय की विभिन्न आवश्यकताओं के अनुरूप संसाधन विकसित करने के लिये विभिन्न कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई। इस अवसर पर आयुक्त श्री सक्सेना ने कहा कि शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए बीएड एवं एमएड के प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न विद्यालयों में प?ाने के लिये भेजें। साथ ही उन्हें शैक्षणिक गुणवत्ता व अकादमिक सुधार की जिम्मेदारी भी सौंपी जाए। संभाग आयुक्त श्री सक्सेना ने कहा कि दो वर्षीय प्रशिक्षण के लिए जो शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय में आते हैं, उन शिक्षकों को समूहबार विद्यालय आवंटित कर शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार का कार्य कराएँ। इसके लिये विस्तृत कार्य योजना बनाई जाए। साथ ही इस काम को अंजाम देने के लिये संकुल प्राचार्यों के साथ बैठक आयोजित कर यह निर्धारित किया जाए कि विद्यालयों में शैक्षिक सुधार के लिए क्या ङ्क क्या आवश्यकताएं हैं।

आयुक्त श्री सक्सेना ने स्वच्छता अभियान में भी महाविद्यालय की सहभागिता सुनिश्चित करने पर बल दिया।

ग्वालियर के आनन्दकों ने अन्तर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस मनाया

जीवन में खुशियों की प्रासंगिकता बनाए रखने की सलाह

ग्वालियर। गांधी प्राणी उद्यान फूलबाग पर आत्म शांति आनंदम क्लब एवं ग्वालियर आनन्दक टीम द्वारा अन्तर्राष्टीय खुशहाली दिवस मनाया गया । जिसमे आम लोगो से खुश रहने के बारे चर्चा की गई। साथ ही प्रश्नोत्तर के माध्यम से खुशी का महत्व समझाया गया। राज्य आनन्द संस्थान की आनन्द गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही आनन्दक जोड़ो अभियान 2022 से भी लोगों को अवगत कराया गया । डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर (आनन्द) श्री विजय कुमार ने इस अवसर पर कहा कि 20 मार्च को अंतर्राष्टीय खुशहाली दिवस मनाने के पीछे यह उद्देश्य है कि दुनिया भर के लोगों के जीवन में खुशी के महत्व को महसूस करें। इस दिवस के माध्यम से जीवन में सकारातमकता का प्रसार भी किया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में खुशी सबसे महत्वपूर्ण चीजों में से एक होती है। जिस दिन जीवन में हम खुशी की प्रासंगिकता को पहचानना शुरू करते हैं, हम लंबे समय तक जीवित तो रहते ही हैं, साथ ही अधिक उत्साह से जीवन के प्रति जागरूक होते हैं। मास्टर ट्रेनर श्री ए. के. शर्मा ने बताया कि चेहरे पर मुस्कुराहट बरकरार रखना बहुत ही अद्भुत कला है। खुश रहने की सबकी अपनी-अपनी वजहें होती हैं। आनंदम सहयोगी श्री सुनील चोपड़ा ने बताया कि जो खुश हैं वही दूसरों को भी खुश रखेगा । खुश रहना एक व्यक्तिगत चॉइस है । लोग जीवन में छोटी से छोटी चीजों, घूमने-फिरने, खरीदारी करने, पेंटिंग और स्विमिंग, मिलने-जुलने में भी खुशी पाते हैं। आनंदम सहयोगी श्री गजेन्द्र सरकार ने बताया कि खुश रहने के लिए लोग योग, फनी वीडियोज़, कॉर्टून सीरियल्स और जोक्स जैसी कई चीज़ों का सहारा ले रहे हैं। बाहरी चीज़ों के साथ-साथ अंदर से सुकून होगा तो चेहरे पर मुस्कान हमेशा कायम रहेगी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478